

सत्ता सुधार

शिवपुरी ■ शुक्रवार 04 जुलाई 2025 ■ वर्ष -26 ■ अंक-33 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

किफायती और सुविधाजनक आवास सुविधा विकसित हो

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से, लोगों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए किफायती और सुविधाजनक आवास सुविधा विकसित करने कार्य-योजना बनाई जाए। नगरीय क्षेत्र में पर्यावरण की बेहतरी के लिए उद्यानों को विकसित करना और विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड सहित सभी आवासीय परियोजनाओं में पौध-रोपण को प्रोत्साहित करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का

नगरीय क्षेत्रों में उद्यानों और वनों के विकास को करें प्रोत्साहित

आवासीय परियोजनाओं में पौधरोपण को दें विशेष महत्व

दीनदयाल रसोई योजना से सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं को जोड़ें

सर्वेक्षण करवा कर उन पर कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में कॉलोनियों के विकास में देश के प्रतिष्ठित बिल्डर्स एंड कॉलोनाइजर्स को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाली आकस्मिक घटनाओं पर नियंत्रण के लिए अग्निशमन सेवा का आधुनिकीकरण



तत्काल किया जाए। अंतर्शहरी क्षेत्र में रेल सेवा के विस्तार के लिए नमो ट्रेन की योजना तैयार की जाए। जल्द ही इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा कर मदद ली जाएगी। डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को प्राथमिकता के आधार पर आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश में मीट-मछली के

में स्थानीय समुदाय के स्व-सहायता समूह तैयार कर उन्हें आधुनिक लॉण्ड्री शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि धार्मिक एवं पर्यटन शहरों के विकास में एकीकृत विकास की योजना तैयार की जा रही है। चित्रकूट में 2800 करोड़ रूपए की कार्य-योजना तैयार की गई है।

संकल्प-पत्र के बिन्दुओं पर चर्चा

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों की एक करोड़ 30 लाख लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता के साथ आवास दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 में 8 लाख 55 हजार आवास बनकर तैयार हो गए हैं। इस योजना के दूसरे चरण में अब तक 4 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो गए हैं। बैठक में संकल्प-पत्र के बिन्दुओं पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि संकल्प बिन्दु के अनुसार वर्ष 2027 तक भोपाल और इंदौर मेट्रो लाइन का पूर्ण संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

तय समय-सीमा में दें प्रमोशन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके लिए जरूरी है कि शहरी क्षेत्रों में आरक्षित भूमि चयनित कर नगर वन अधिक से अधिक विकसित किए जाएं और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाए।

उन्होंने विभागीय बैठक में प्रमोशन प्रक्रिया की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों को तय समय-सीमा में प्रमोशन दिया जाए। इससे रिक्त होने वाले पदों पर अभी से भर्ती की प्रक्रिया की कार्य-योजना तैयार कर ली जाए।

बीफ न्यूज

पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ विज्ञापन चलाने पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने डाबर की याचिका पर अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की। याचिका में आरोप लगाया गया था कि पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश विशेष रूप से डाबर च्यवनप्राश और सामान्य रूप से च्यवनप्राश का अपमान कर रहा है। पतंजलि के विज्ञापन में दावा किया गया है कि किसी अन्य निर्माता को च्यवनप्राश तैयार करने का ज्ञान नहीं है-जो सामान्य अपमान है। विज्ञापनों में गलत और भ्रामक बयान दिए गए हैं। इसमें डाबर च्यवनप्राश के साथ अपमानजनक तुलना की गई है।

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों पर लगा बैन हटा

नई दिल्ली। एक जुलाई से दिल्ली की सड़कों से पुराने वाहनों को बैन करने का फैसला किया गया है। इसका आधार समय सीमा था, जिसके तहत पेट्रोल की 15 साल पुरानी और डीजल की 10 साल पुरानी गाड़ियों को रोड पर चलने से बैन किया गया था। अब इस नीति में बदलाव किया गया है। नये अपडेट के मुताबिक केवल प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों को हटाया जाएगा। उन गाड़ियों को नहीं हटाया जाएगा, जिनकी समय सीमा समाप्त हो गई है। यानी पुरानी गाड़ियों पर लगा बैन हटा लिया गया है।

सीयू ने ग्लोबल-नेशनल रैंकिंग में लगाई छलांग

चंडीगढ़। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) ने दुनिया की शीर्ष दो फीसदी में शामिल होकर क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में 575वीं रैंक हासिल की है। सीयू ने सूची में शामिल होने 125 स्थान की छलांग लगाई है। साथ ही देश में सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में भी सीयू 18वीं से बढ़कर 16वीं रैंक पर पहुंच गई है। भारत की निजी यूनिवर्सिटीज की रैंकिंग में भी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने पिछले वर्ष तीसरी रैंक से बढ़कर दूसरी रैंक पर पहुंच गई है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 54 भारतीय यूनिवर्सिटीज को शामिल किया गया है।

घाना की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा-

हमारा लोकतंत्र सिस्टम नहीं, संस्कार है पीएम मोदी घाना में सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित

ग्लोबल साउथ को नहीं किया जा सकता अनदेखा

एजेंसी ■ अक्रा

प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे हैं। गुरुवार को घाना ने पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने घाना की संसद को संबोधित किया। संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सर्वोच्च सम्मान देने के लिए आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और घाना के संबंध काफी मजबूत हैं। भारत-घाना समावेशी विकास की ओर बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र सिस्टम नहीं संस्कार हैं। घाना में पिछले कुछ वर्षों से काफी तेजी से विकास हुआ है। इस वक्त भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा- दुनिया इस वक्त कई समस्याओं से जूझ रही है, जिसमें आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन इस समय बड़ी समस्याएं हैं। वहीं भारत का लोकतंत्र आशा की किरण बना हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना से ओतप्रोत है।



उन्होंने कहा घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी धरती के नीचे छिपी हुई चीजों के लिए बल्कि आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी और ताकत के लिए भी। पीएम मोदी ने कहा कि आज मुझे दूरदर्शी राजनेता तथा घाना के प्रिय पुत्र डॉ. क्रामे नक्रूमा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने एक बार कहा था कि हमें एकजुट करने वाली ताकतें हमें अलग रखने वाले आरोपित प्रभावों से कहीं अधिक बड़ी हैं। उनके शब्द हमारी साझा यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

तीन दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का घाना दौरा

तेलंगाना दवा प्लांट विस्फोट में नौ लोग अभी भी लापता

डीएनए से होगी पहचान, 40 से अधिक की हो चुकी है मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के पश्चिमलारम में सिमाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में नौ लोग अभी भी लापता हैं। इसमें पांच श्रमिक ओडिशा के हैं। विस्फोट के बाद मिले अज्ञात शवों की पहचान के लिए डीएनए का मिलान किया जाएगा। इसके साथ ही विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए राज्य सरकार की विशेष टीम ने घटनास्थल का दौरा किया।



विस्फोट में अब तक 40 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। एस्पनी ने कहा कि नौ लोग लापता हैं लेकिन जब हमें एफएसएल से हड्डियों और अन्य चीजों की रिपोर्ट मिल जाएगी, तब चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। मलबा हटाने का 90

प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अब आगे किसी शव के मिलने की आशंका नहीं है। वहीं विस्फोट में ओडिशा के चार श्रमिकों की मौत हो चुकी है। जबकि पांच अन्य श्रमिक लापता हैं। उनके रिश्तेदार अज्ञात शवों के डीएनए मिलान

के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। चार लापता व्यक्तियों के रिश्तेदारों ने डीएनए नमूने दे दिए हैं। लापता लोगों में नवरंगपुर जिले के दो, गंजम के दो और कटक का एक श्रमिक शामिल है। ओडिशा परिवार निदेशालय के ओएसडी ने बताया प्रशासन के मुताबिक विस्फोट के वक्त फैक्टरी में 143 लोग काम कर रहे थे। ओडिशा के कुछ लोग अलग-अलग सेक्शन में काम कर रहे थे। उनमें से चार की मौत हो गई, चार घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है और पांच अन्य अभी भी लापता हैं।

एकाधिकार से आर्थिक व राष्ट्रीय सुरक्षा को हो सकता है नुकसान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के समूह 'क्वाड' ने मिलकर चीन की मनमानी रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। वैश्विक तकनीकी और रक्षा उद्योगों के लिए एक नई रणनीतिक पहल की शुरुआत की है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब चीन द्वारा इन खनिजों पर नियंत्रण को लेकर वैश्विक चिंता गहराती जा रही है।

क्वाड की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि क्रिटिकल मिनरल्स की



आपूर्ति श्रृंखलाओं में अचानक बाधा और भविष्य की विश्वसनीयता को लेकर हम गहराई से चिंतित हैं। एक ही देश पर अत्यधिक निर्भरता से आर्थिक दबाव, कीमतों में हेराफेरी और आपूर्ति बाधित होने का खतरा रहता है। इस बयान में स्पष्ट रूप से चीन को निशाने पर लेते हुए कहा

क्वाड ने क्रिटिकल मिनरल्स पर चीन की मनमानी रोकने बनाया प्लान

गया कि इस निर्भरता से हमारे उद्योगों की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान हो सकता है। एनडीएफबी मैनेट इलेक्ट्रिक मोटरों के लिए जरूरी हैं। ये चीन एकाधिकार के साथ बनाता है। भारत की ईवी इंडस्ट्री पर चीन की पारबंदियों का असर हो रहा है। चीन ने भारतीय कार कंपनियों के आवेदनों को मंजूरी नहीं दी है, जिससे मैनेट व जरूरी उपकरणों की कमी हो रही है। बीजिंग हम कंपनियों से कह रहा है कि वे अलग उपकरणों के बजाय पूरा मोटर असेंबली चीन से खरीदें, जिससे भारतीय कंपनियों की निर्माण योजनाओं पर संकट मंडरा रहा है।

दो टुक

भारत ने चीन की किसी भी दखलंदाजी को किया खारिज, कहा-

कोई और नहीं कर सकता दलाई लामा के उत्तराधिकारी का फैसला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के उत्तराधिकारी के मुद्दे पर स्पष्ट और कड़ा रख अपनाते हुए कहा है कि इस मामले में केवल दलाई लामा ही निर्णय ले सकते हैं। भारत ने चीन की किसी भी दखलंदाजी को सिरे से खारिज करते हुए इसे तिब्बती बौद्ध परंपराओं का आंतरिक मामला बताया। भारत ने स्पष्ट किया कि तिब्बती आध्यात्मिक गुरु के उत्तराधिकारी को तय करने का अधिकार केवल और केवल दलाई लामा को है, न कि किसी और को।

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि अगले दलाई लामा पर निर्णय सिर्फ और



सिर्फ स्थापित संस्था व दलाई लामा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस फैसले में कोई और शामिल नहीं होगा। रिजिजू ने कहा कि दलाई लामा बौद्धों के लिए 'सर्वाधिक महत्वपूर्ण और परिभाषित संस्था' हैं।



उन्होंने कहा कि दलाई लामा को मानने वाले सभी लोगों की राय है कि उत्तराधिकारी का फैसला स्थापित परंपरा के और दलाई लामा की इच्छा के अनुसार होना चाहिए। उनके और मौजूदा परंपराओं

दलाई लामा के जन्मदिन पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे मंत्री

बौद्ध धर्म को मानने वाले रिजिजू और उनके साथी केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 6 जुलाई को धर्मशाला में दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 14वें दलाई लामा तिब्बतियों और बौद्ध धर्म की नालंदा परंपरा का पालन करने वाले सभी लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण संस्था हैं। पिछले वर्ष, अमेरिका के एक द्विदलीय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने भारत के धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात की थी। इस उच्चस्तरीय दौरे का उद्देश्य तिब्बत के प्रति अमेरिका के दीर्घकालिक समर्थन को दोहराना था, विशेष रूप से हाल ही में पारित 'रिजॉल्व तिब्बत अधिनियम' के माध्यम से। यह अधिनियम चीन से अपील करता है कि वह तिब्बती नेताओं के साथ सार्थक संवाद करे, जिससे लंबे समय से चले आ रहे तिब्बत मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान निकल सके।

के अलावा किसी और को इसे तय करने का अधिकार नहीं है। बता दें बौद्ध धर्म के अनुयायी रिजिजू इन दिनों धर्मशाला में हैं, जहां वह केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के साथ दलाई लामा के 90वें जन्मदिन के

समारोहों में भारत सरकार के प्रतिनिधियों के रूप में भाग ले रहे हैं। रिजिजू ने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक शुद्ध रूप से धार्मिक अवसर है और इसे राजनीति से जोड़ना अनुचित है।

समिक भट्टाचार्य बने पश्चिम बंगाल भाजपा के नए अध्यक्ष

समिक बोले- बंगाल भाजपा अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं

कोलकाता। वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य को आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल इकाई का



भट्टाचार्य ने टीएमसी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि टीएमसी शासन में बंगाल की संस्कृति, बहुलवाद, विरासत खतरे में है।

2026 का विधानसभा चुनाव इनके अस्तित्व की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने विधानसभा चुनावों में भ्रष्ट टीएमसी सरकार के कुशासन को समाप्त करने का मन बना लिया है। बंगाल भाजपा अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं, बल्कि हिंसा और संप्रदायिकता की राजनीति का विरोध करती है।

ब्रीफ न्यूज

घाना में सम्मान मिलने पर पीएम मोदी को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी को घाना का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से सम्मानित किए जाने पर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पटल पर फिर से मां भारती की जय-जयकार गुंज रही है। पीएम मोदी को मिला यह सम्मान देशवासियों को गौरवान्वित करने वाला है। यह सम्मान विश्व पटल पर भारत के बढ़ते वर्चस्व का प्रतीक है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत और घाना के संबंध पहले से ज्यादा मजबूत हुए हैं।

सीएम ने अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर की मंगल की कामना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में तीर्थयात्री पहुंचते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि यात्रा सभी के लिए मंगलमयी और सभी मनोरथ पूर्ण करने वाली हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवाधिदेव महादेव से प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए भी प्रार्थना की है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का रीडिंग केन्द्र न्यू मार्केट में

भोपाल। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली का विक्रय केन्द्र बीएसएनएल परिसर न्यू मार्केट टीटी नगर में खोला गया है। इस केन्द्र में रीडिंग लाउंज की व्यवस्था भी है। यह केन्द्र सुबह 10.30 से शाम 6 बजे तक संचालित होता है। इस केन्द्र में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत तथा ब्रेल लिपि से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध है। रीडर्स की मांग पर अन्य भाषाओं की पुस्तकें भी उपलब्ध कराई जाती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस आशय की जानकारी समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर दी है। जिला शिक्षा अधिकारियों से इस केन्द्र का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा गया है। इस केन्द्र में रीडर्स को 100 रुपए में और संस्थाओं को 500 रुपए में लाईफ टाईम की सदस्यता प्रदान करने की सुविधा है। उपभोक्ता को पुस्तक क्रय के संबंध में 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाती है। केन्द्र से 200 रुपए से अधिक पुस्तक खरीदने पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास नई दिल्ली द्वारा स्वयं के व्यय से पाठक के पत्र पर पुस्तक भेजने की सुविधा भी है।

नए प्रदेश अध्यक्ष ने बाबा के दर्शन कर की सुख समृद्धि की कामना

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के नवागत प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गुरुवार को उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख एवं समृद्धि की कामना की है। भाजपा के नवागत प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे, जहां पर उन्होंने बाबा महाकाल के चांदी द्वार से दर्शन किए और उसके बाद नंदी हॉल में बैठकर ध्यान भी लगाया। उन्होंने नंदी हॉल में नंदी जी का पूजन अर्चन कर उनके कानों में अपनी मनोकामना भी कही। बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मुझे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के अपार

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की घोषित सूची में कुछ ऐसे चेहरे शामिल किए गए हैं, जिन्हें कभी प्रदेश की राजनीति में बड़ा कद हासिल था, लेकिन बीते कुछ वर्षों में वे संगठन और सत्ता दोनों से दूर हो गए थे। गोपाल भार्गव, नरोत्तम मिश्रा, अर्चना चिटनिस, गौरी शंकर बिसेन, जयंत मलैया आदि जो कभी सरकार के सकट मोचक और प्रमुख पदों पर रहे, लेकिन हाल के वर्षों में न तो सरकार में और न ही संगठन में उन्हें बड़ी भूमिका मिली थी। उनकी वापसी को पार्टी में अनुभव और संतुलन की वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। इस सूची का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें ज्योतिरादित्य सिंधिया को तो जगह मिली लेकिन उनका कोई भी समर्थक मंत्री



तुलसी सिलावट, गोविंद सिंह राजपूत, प्रद्युम्न सिंह तोमर या किसी और नेता को पार्टी ने तवज्जो नहीं दी। कुल मिलाकर, भाजपा ने इस बार पुराने अनुभववी चेहरों को संगठन में फिर से आगे लाकर संतुलन साधने की कोशिश की है, वहीं सिंधिया गुट

के नेताओं की संगठन में दूरी बनाए रखी है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में यह निर्णय पार्टी पर क्या असर डाल सकता है?

मप्र भाजपा राष्ट्रीय परिषद के नवनिर्वाचित सदस्य में सीएम डॉ. मोहन

यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, भाजपा संसदीय बोर्ड सदस्य सत्यनारायण जटिया, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, उप मुख्यमंत्री

राजेंद्र शुक्ला, केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, मंत्री कैलाश विजयगर्गीय, मंत्री प्रहलाद पटेल, मंत्री राकेश सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष अजा मोर्चा और पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और पूर्व मंत्री

नरोत्तम मिश्रा, पूर्व मंत्री और विधायक गोपाल भार्गव, मंत्री इंद्र सिंह परमार, मंत्री नागर सिंह चौहान, राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री फगन सिंह कुलस्ते, विधायक और राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धुर्वे, सांसद सुधीर गुप्ता, प्रदेश सह प्रभारी महाराष्ट्र जयभान सिंह पवैया, विधायक और पूर्व मंत्र जयंत मलैया, सांसद गणेश सिंह, विधायक और पूर्व मंत्री ब्रजेंद्र प्रताप सिंह, सांसद सुमेर सोलंकी, सांसद और प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार, सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, मंत्री एंदल सिंह कंसाना, सांसद संख्या राय, सांसद हिमाद्री सिंह, सांसद भारती पारधी, सांसद विवेक बंटी साहू, विधायक और पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस, विधायक नीना वर्मा, विधायक कुंवर सिंह टेकाम, विधायक प्रदीप लारिया, प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व मंत्री कमल पटेल, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, पूर्व सांसद आलोक संजय के नाम शामिल हैं।

सीएम डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय महिला मॉक पार्लियामेंट को किया संबोधित

लोकतांत्रिक मूल्यों की हर स्थिति में रक्षा करना हम सभी का दायित्व

महिला सुरक्षा के प्रति राज्य सरकार संवेदनशील

- ▶▶ युवा पीढ़ी को आपातकाल के इतिहास से परिचित कराना जरूरी
- ▶▶ मुख्यमंत्री ने मीसाबंदी तपन भौमिक का किया सम्मान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में माता-बहनों को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हरसंभव प्रयास जारी हैं। आज नरसिंहपुर जिले में एसपी और कलेक्टर दोनों पद महिला अधिकारियों के पास हैं। शहडोल संभाग की संभागयुक्त भी महिला ही हैं। प्रदेश की मुख्य सचिव भी महिला अधिकारी रह चुकी हैं। महिला सुरक्षा के प्रति राज्य सरकार विशेष रूप से संवेदनशील है, मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने दुष्कर्म के मामलों में सबसे पहले फांसी का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय महिला मॉक पार्लियामेंट को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, सांसद



वीडी शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, हितानंद शर्मा सहित जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री मीसाबंदी तपन भौमिक का तुलसी पौधा एवं अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मान किया। आपातकाल संबंधित विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिला मॉक पार्लियामेंट एक वैचारिक मंच है। संविधान की भावना और लोकतांत्रिक मूल्यों की हर स्थिति में रक्षा करना सभी नागरिकों का दायित्व है। देश और हम सभी के व्यक्तित्व विकास में इन दोनों बिन्दुओं का महत्वपूर्ण स्थान है। मॉक पार्लियामेंट जैसी पहल से युवाओं में देश की राजनीतिक व्यवस्था की समझ विकसित होती है। युवा पीढ़ी को 50

आज सीएम लैपटॉप की राशि करेंगे अंतरित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप की राशि अंतरित करेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिए उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रुपए की राशि दी जा रही है। कार्यक्रम में प्रदेश के 500 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रदेश में पिछले साल 2023-24 में 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खातों में 224 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई थी। प्रदेश में यह योजना वर्ष 2009-10 से संचालित हो रही है। पिछले 15 वर्षों में इस योजना में 4 लाख 32 हजार 16 विद्यार्थियों के बैंक खातों में एक हजार 80 करोड़ 4 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप लैपटॉप के लिये अंतरित की जा चुकी है।

साल पहले के आपातकाल के इतिहास से परिचित कराना जरूरी है। सीएम ने मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिए उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रुपए की राशि दी जा रही है। कार्यक्रम में प्रदेश के 500 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रदेश में पिछले साल 2023-24 में 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खातों में 224 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई थी। प्रदेश में यह योजना वर्ष 2009-10 से संचालित हो रही है। पिछले 15 वर्षों में इस योजना में 4 लाख 32 हजार 16 विद्यार्थियों के बैंक खातों में एक हजार 80 करोड़ 4 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप लैपटॉप के लिये अंतरित की जा चुकी है।

साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों, धारा 370, तीन तलाक, आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ हुई सैन्य कार्यवाहियों, संविधान संशोधनों और राजनैतिक मंशा के औचित्य आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मैकेन फूड्स प्रतिनिधि मंडल ने की चर्चा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्योग और रोजगार वर्ष 2025 औद्योगिक विकास की तीव्र संभावनाओं को साकार करने का वर्ष है। राज्य सरकार के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर निवेश प्रस्ताव मिल रहे हैं। निवेशकों को औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि सहित नीतियों के अंतर्गत सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में मैकेन फूड्स के रीजनल प्रेसिडेंट पियरे डैनेट एवं प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों से चर्चा कर रहे थे। मैकेन फूड्स के पियरे डैनेट ने बताया कि मध्यप्रदेश में किसानों को कोटिबुट फार्मिंग के माध्यम से स्थायी बाजार बेहतर मूल्य और उन्नत कृषि तकनीक का लाभ दिलवाने के लिए 3800 करोड़ रुपए निवेश का प्रस्ताव दिया गया है। प्रथम चरण में 1800 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और इस निवेश के

प्रदेश में 3800 करोड़ के निवेश से फ्रोजन आलू उत्पाद इकाई का प्रस्ताव



फलस्वरूप 6300 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। वैश्विक कंपनी मैकेन फूड्स भारत में मुख्य रूप से फ्रोजन आलू उत्पादों जैसे फ्रेंच फ्राइज, आलू टिक्की और स्नैक आइटम बनाती है। कनाडा में स्थापित यह कंपनी भारत में वर्ष 2007 से खाद्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्तमान में

गुजरात के मेहसाणा में कंपनी किसानों से आलू खरीद कर अत्याधुनिक उत्पादन इकाई के माध्यम से विभिन्न खाद्य उत्पाद निर्मित कर रही है। चर्चा के दौरान प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन राघवेंद्र कुमार सिंह और आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खांडे उपस्थित थे।

कार्यशाला में एसीएस खाद्य रश्मि अरुण शमी बोली पीडीएस को और बेहतर व पारदर्शी बनाने नीतिगत व तकनीकी मदद जरूरी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को नीतिगत एवं तकनीकी सहयोग से और अधिक बेहतर तथा पारदर्शी बनाकर देश में सबसे बेहतर खाद्यान्न वितरण करना हमारा ध्येय होना चाहिए। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरुण शमी ने यह बात खाद्य विभाग को दो दिवसीय कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में निजी क्षेत्र की कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों पर भी विचार किया जाएगा। आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने कहा कि कार्यशाला

में हमें विभाग की समस्याओं पर मंथन कर उनका समाधान निकालना है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। एमडी नागरिक आपूर्ति अरुण वर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में अधिकारी-कर्मचारियों की कार्य-क्षमता में वृद्धि, नवाचार, चुनौतियों तथा विभागीय नियमों और कार्य-प्रणालियों की जानकारी दी गयी। मुख्य रूप से मिलिंग, भण्डारण, उपार्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, ई-ऑफिस, ई-सीआर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विषय-विशेषज्ञों ने जानकारी दी।

अनोखा विरोध भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष से पूछे सवाल

डीजीपी के बयान का कांग्रेस ने रस्सी से हाथ बांधकर किया विरोध

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पिछले दिनों प्रदेश के डीजीपी द्वारा दिए गए बयान को लेकर कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है। गुरुवार को भोपाल में कांग्रेस ने रस्सी से हाथ बांधकर अनोखा प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस मीडिया अध्यक्ष मुकेश नायक और कांग्रेस प्रवक्ता मिथुन अहिरवार ने प्रेस

मध्य प्रदेश में रोज हो रहे हैं 20 बलात्कार

कोंफ्रेंस की। इस दौरान मिथुन अहिरवार ने कहा कि बीजेपी डिजिटल डीडिया नहीं बल्कि डिजिटल ट्रैप की सरकार है। वह ऑनलाइन सड़न, फजी लोन ऐप्स और डिजिटल ठगी को खुली छूट देकर अपनी सत्ता बचा रही है। इस दौरान कांग्रेस ने बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष



हेमंत खंडेलवाल से सवाल पूछे हैं। कांग्रेस मीडिया अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि मध्य प्रदेश में रोज 20 बलात्कार हो रहे हैं। वहीं, प्रदेश के डीजीपी बयान दे रहे हैं कि बलात्कार रोकना अकेले पुलिस के बस की

बात नहीं। अगर पुलिस के हाथ बंधे हैं तो क्या डीजीपी यह मान चुके हैं कि सरकार ने बलात्कारियों के आगे सरेंडर कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर समाज परफेक्ट हो जाएगा, तो फिर पुलिस की जरूरत ही क्यों



ब्रीफ न्यूज

जिले में अभी तक 368.89 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शिवपुरी। जिले में 01 जून 2025 से अभी तक 368.89 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 127.49 मि.मी.औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी.है। गत वर्ष जिले में कुल 1291.84 मि.मी.वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। उन्होंने बताया कि अभी तक शिवपुरी में 264.50 मि.मी., बैराड़ में 274 मि.मी., पोहरी में 402 मि.मी., नरवर में 533 मि.मी., करैरा में 433 मि.मी., पिछोर में 311 मि.मी., कोलारस में 376 मि.मी., बदरवास में 433 मि.मी. तथा खनियाधाना में 293 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

इन क्षेत्रों में आज विद्युत प्रवाह बंद रहेगा

शिवपुरी। आवश्यक रखरखाव होने के कारण 33 के. व्ही. बदरवास फीडर से संबंधित क्षेत्रों में 4 जुलाई को विद्युत प्रभाव बंद रहेगा। उक्त फीडर के बंद रहने से प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक 33/11 के व्ही. उपकेन्द्र बदरवास, एवं श्रीपुर, जुड़े समस्त क्षेत्र एवं एच.टी. उपभोक्ता से संबंधित क्षेत्र प्रभावित रहेंगे।

90 दिवसीय विशेष

मध्यस्थता अभियान अंतर्गत बैठक आयोजित

शिवपुरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत एक बैठक का आयोजन जिला न्यायालय शिवपुरी के सभाकक्ष में किया गया। बैठक का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शिवपुरी श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय एवं तहसील मुख्यालय के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश ने बताया कि इस अभियान के तहत जिला एवं तहसील न्यायालयों सहित समस्त न्यायिक स्तरों पर लंबित प्रकरणों का निराकरण मध्यस्थता के माध्यम से अधिकतम संख्या में किया जाना है। उन्होंने सभी न्यायिक अधिकारियों एवं मध्यस्थों को अभियान को सफल बनाने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए।
पंचायत के उप निर्वाचन निर्वाचन वर्ष-2025 (पूर्वार्ध) हेतु शराब की बिक्री पर प्रतिबंध
शिवपुरी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष-2025 (पूर्वार्ध) हेतु निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार मतदान/ मतगणना 22 जुलाई को निर्धारित गई है। मतदान समाप्त होने के 48 घण्टे पूर्व से शराब की दुकानें बंद रखी जाएंगी तथा इस अवधि में शराब का क्रय-विक्रय पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा। जारी कार्यक्रम अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शराब की सभी दुकानें संबंधित ग्राम पंचायत के लिए मतदान को समाप्त के लिए नियत समय से 48 घंटे पूर्व से बंद रखी जाएंगी तथा इस अवधि में शराब का क्रय-विक्रय पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा। किसी ग्राम पंचायत के संपर्क या पंच पद के उप चुनाव के मामले में पूरी ग्राम पंचायत की भौगोलिक सीमा में स्थित शराब की सभी दुकानें संधित सभी की समाप्ति के लिए नियत समय से 48 घंटे पूर्व से बंद रखी जायेगी।

परेशानी

शिवपुरी में अटल सागर बांध के 2 गेट खोले गए

स्कूल-मंदिर में घुसा पानी, नदी-नालों को जान जोखिम में डाल कर रहे पार

सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

जिले में बुधवार रात से हो रही तेज बारिश ने कई गांवों को तर कर दिया। कोलारस अनुविभागीय क्षेत्र के मोहरा, चनैनी और गोरा गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। बारिश का पानी स्कूल, मंदिर और दर्जनों घरों में घुस गया, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार सुबह 5 बजे मोहरा गांव में हुई मूसलधार बारिश के कारण गांव की गलियों में 3-4 फीट तक पानी भर पया। कई घरों में पानी घुस गया और लोगों के जरूरी सामान डूब गए। ग्रामीणों ने बताया कि हालात पूरी तरह से बिगड़ चुके हैं।



अटल सागर बांध के 2 गेट खुले

वहीं अटल सागर बांध के शाम 4 बजे दो गेट खोल दिए गए हैं। डैम के ईई नवीन शाक्य ने बताया कि डेम 50 फीसदी से ज्यादा भर चुका है साथ ही बारिश होने की संभावना मौसम विभाग द्वारा जताई गई है। इसके चलते 200 क्यूमेकस पानी छोड़ा जा रहा है। अटल सागर बांध के 2 गेट खुलने के बाद नजारा कुछ इस तरह निखर गया।

चनेनी गांव में भी हालात खराब

चनेनी गांव में भी रात भर की बारिश से कई घरों में पानी भर गया। लोगों का सामान भीग गया और दैनिक जीवन प्रभावित हुआ है।

ग्रामीणों ने मदद की मांग की है।

उफनते नाले के बावजूद लोग कर रहे पार: कोलारस-मोहराई के बीच बना रपटा तेज बारिश से उफान पर आ गया है। प्रशासन ने आवाजाही बंद कर दी है, लेकिन कुछ ग्रामीण अब भी जान जोखिम में डालकर पार कर रहे हैं।
गोरा गांव: नदी पार करने मजबूर ग्रामीण

टीला कलां पंचायत के गोरा गांव में अब भी पक्का रास्ता नहीं बना है। तेज बारिश और सिंध नदी के उफान के कारण यहां के हालात और बिगड़ गए हैं। ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को गोद में उठाकर नदी पार कर रहे हैं।

लायंस क्लब शिवपुरी साउथ

ने चिंताहरण मंदिर पर सेवा

कार्य प्रारंभ कर की सेवा

कार्यकाल की शुरुआत

लायंस क्लब शिवपुरी साउथ

द्वारा रीजन चेयरपर्सन वनने

पर एम.जे.एफ. लायन पवन

जैन का हुआ सम्मान

सर्वप्रथम स्थानीय श्री चिंताहरण मंदिर पर दिन-दुःखियों की सेवा कर भंडारा प्रसाद वितरण कराकर की गई



सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

समाजसेवी संस्था लायंस क्लब शिवपुरी साउथ की नवीन कार्यकारिणी वर्ष 2025-26 के नवीन अध्यक्ष लायन सुनील जैन, सचिव लायन विवेक अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष महेश गुप्ता के द्वारा अपने सेवा कार्यकाल की शुरुआत सर्वप्रथम स्थानीय श्री चिंताहरण मंदिर पर दिन-दुःखियों की सेवा कर भंडारा प्रसाद वितरण कराकर की गई। इसके साथ ही सायं 8 बजे से स्थानीय होटल पी एस में सी.ए. एवं डॉक्टर-डे के अवसर पर चिकित्सकों

एवं सी.ए. का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीजन चेयरपर्सन एम.जे.एफ. लायन पवन जैन (पी.एस.), विशिष्ट अतिथि रीजन सेक्रेटरी एड. पारस जैन एवं जोन चेयरपर्सन लायन कपिल सहगल मौजूद रहे। क्लब के सभी सदस्यों द्वारा रीजन चेयरपर्सन वनने पर एम.जे.एफ लायन पवन जैन (पी.एस.) का जोशीला स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सी.ए. एवं डॉक्टर-डे के रूप में शहर के सी.ए. एवं चिकित्सकों

को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान कर उनकी अनुरूपीय सेवाओं को सराहा गया। यहां सम्मानित होने वाले चिकित्सकों में डॉ पंकज गुप्ता, डॉ मोना गुप्ता, डॉ पुनीत श्रीवास्तव, डॉ दिव्यांश गुप्ता, डॉ अभिषेक गोयल, डॉ सुधा गोयल सहित सी.ए. के रूप में सी.ए. नीमेश गोयल, सी.ए. मयंक सिंघल, सी.ए. अंकित अग्रवाल, सी.ए. दिव्यांश गुप्ता, सी.ए. स्मिता शर्मा शामिल रहे। इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही की सभी नवान्तुक डॉ. एवं सी.ए. जिन्होंने हाल ही में अपना नया व्यवसाय शुरू

किया है उन्हें आमंत्रित कर सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम संयोजक रोहित अग्रवाल एवं अंकुर सिंघल रहे। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन हेमंत नागपाल के द्वारा किया गया। क्लब के तीनों ऊर्जावान उपाध्यक्षों रवि गोयल, जीतेन्द्र राणा, पवन जैन (नरवर) द्वारा कार्यक्रम को संपन्न कराने में अहम भूमिका अदा की। कार्यक्रम समापन पर आधार संस्था सचिव विवेक अग्रवाल के द्वारा व्यव्त किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लायंस क्लब के निम्न साथियों दीपक-रेणु गोयल, गंगाधर-सीमा गोयल, जयदीप-सुरेखा महेश्वरी, गिर्रांज-कुसुम ओझा, मयंक-प्रियंका भागंव, मुकेश-सुष्मा गोयल, मुकेश-अलका जैन, मुकेश 'खरई'-लता जैन, मुकेश-आरती शुक्ला, निर्मल-सुमति बंसल, प्रवीण-मोनिका जैन, राजेन्द्र-निशा गुप्ता, संजीव-ममता जैन, सतीश-मंजू अग्रवाल, सौरभ-सोनाली सांखला, सुनील-नीलम वीसानी, विनय-ऋचा गुप्ता, गिरिश-वर्षा जैन, संजय-सपना अग्रवाल, दीपक-ज्योति गुप्ता, नितिन-दीपिका सांखला, दीपेश अग्रवाल, प्रवीण गुप्ता, राजेन्द्र शिवहरे, रविन्द्र गोयल, संगीता जैन ,वर्षा जैन, बबिता अग्रवाल, कविता गुप्ता, कोमल राणा, प्रगति जैन, लीना नागपाल, वीना जैन, मीना जैन, शोभा जैन, डौली बंसल, नीतू गुप्ता की उपस्थिति रही।

पोषण ट्रैकर ऐप एवं शारीरिक माप के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित

शिवपुरी। पोषण ट्रैकर ऐप के उपयोग एवं बच्चों की शारीरिक माप संबंधी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल संरक्षण अधिकारी कार्यालय, हंस बिल्डिंग के पास, किया गया। प्रशिक्षण दो पालियों में हुआ। प्रथम पाली में पिछोर, खनियाधाना, नरवर एवं करैरा विकासखण्डों के सी.डी.पी.ओ., सुपरवाइजर एवं बी.सी. समिलित हुए, जबकि द्वितीय पाली में बदरवास, कोलारस, पोहरी, शिवपुरी शहरी एवं ग्रामीण के संबंधित अधिकारीगण शामिल हुए। प्रशिक्षण में जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र सिंह जादौन द्वारा पोषण ट्रैकर ऐप के उपयोग, बच्चों के वजन और लंबाई मापने की

विधि एवं सावधानियों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। वजन और लंबाई की जानकारी दर्ज करते समय अत्यंत सावधानी बरतना आवश्यक है, क्योंकि एक बार दर्ज की गई जानकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा परिवर्तित नहीं की जा सकती। सुपरवाइजर द्वारा भी उसमें केवल एक बार संशोधन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, श्री जादौन ने पोषण ट्रैकर एप के विभिन्न संकेतकों—जैसे हितग्राहियों का पंजीयन, फेस कैप्चर, टी.एच.आर./एच.सी.एम. का वितरण, मंगल दिवस, गृह भेंट, एवं बच्चों में डिनापन, दुबलापन तथा कम वजन की निगरानी आदि—पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

जिला शिक्षा केन्द्र शिवपुरी अंतर्गत वार्डन के

अतिरिक्त प्रभार हेतु दावे-आपत्ति आमंत्रित

शिवपुरी। कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र शिवपुरी अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास में वयनित शासकीय शालाओं में पदस्थ शिक्षिकाओं को वार्डन के अतिरिक्त प्रभार हेतु अंतरिम सूची जारी कर दावे-आपत्ति 10 जुलाई तक आमंत्रित की गई है। जिला परियोजना समन्वयक दफ्तर सिंह शिवरवार ने बताया कि शासकीय शालाओं में पदस्थ शिक्षिकाओं को वार्डन के अतिरिक्त प्रभार हेतु राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशों एवं मापदण्ड अनुसार जिला जेण्डर कोर ग्रुप के परीक्षण उपरांत ज्योति गौरतवार, मा.शि. एकी.शा.मा. वि. सनवाडा, रजनी तिवारी, मा.शि. शा.क.मा.वि. पिछोर, वंदना चौहान, मा.शि. शा.मा.वि.वदरखा विकासखण्ड पिछोर, रितु मिश्रा, मा.शि. शा.क.उ.मा.वि. मगरोनी विकासखण्ड नरवर, दीप्ति सवसेना, मा.शि. शा.एकी.मा.वि.सेसई सड़क विकासखण्ड कोलारस शिक्षािए पात्रता की श्रेणी में आई हैं। संबंधित शिक्षिकाओं की पदस्थापना एवं वार्डन के अतिरिक्त प्रभार के संबंध में यदि कोई आपत्ति है तो पूर्ण विवरण के साथ पोहरी रोड स्थित कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र में 10 जुलाई तक कार्यालयीन समय दोपहर 5.30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकेगी।

कस्तूरबा कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन

सत्ता सुधार ■ गुना

शासकीय कस्तूरबा कन्या महाविद्यालय गुना में दीक्षारंभ कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर नवप्रवेशित छात्राओं को प्राचार्य डॉ. विनीता जैन सहित शिक्षकों ने तिलक लगाकर तथा पुष्प भेंटकर महाविद्यालय में प्रवेश की बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। वहीं प्रशांत आर्य ने अपना परिचय देते हुए राजनीतिशास्त्र विषय की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्वयं पोर्टल पर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करने, इनू एवं स्वयं पोर्टल के कोर्सेस की जानकारी देकर स्नातक की पढ़ाई के अतिरिक्त इन कोर्स को करने का महत्व समझाया। छात्राओं को कार्यालय का भ्रमण कराया गया, डॉ. के.व्ही. बुनकर मुख्यलिपिक ने कार्यालयीन स्टाफ़एव उनके कार्यों की समस्त जानकारी प्रदान की। साथ श्री बुनकर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री जावेद अली ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजना जैसे गांव की बेटी, प्रतिभा किरण, मुख्यमंत्री मेधावी योजना, मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना, पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति योजना,



आवास सहायता योजना, सेंट्रल सेक्टर योजना, विकलांग छात्रवृत्ति योजना की जानकारी प्रदान की। ईंको क्लब प्रभारी कीर्ति सोनी ने राष्ट्रीय हरित कोर, ईंको क्लब के बार में बताया तथा पर्यावरण संरक्षण, विभिन्न पर्यावरण दिवसों एवं इनसे संबंधित रैली, जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए हरितिमा बढ़ाने हेतु पेड़ पौधें लगाने का

आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. विनीता जैन ने अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर समस्त स्टाफ़सहित छात्राओं को प्लास्टिक मुक्त भारत की शपथ दिलाई। तत्पश्चात् 'एक पेड़ माँ के नाम' महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य स्टाफ़एवं छात्राओं ने मीठी नीम, करंदा, पलाश, नीम के पौधे लगाए और इन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया।

दैनिक सत्ता सुधार विज्ञापन, एजेंसी, समाचार के लिए संपर्क करें

दीपक अरोरा, ब्यूरोचीफ शिवपुरी मो. 8959194646 कपिल उपाध्याय, जिला संवाददाता मो. 9893099934

लालच ने बना दिया अपराधी

रन्गौद को रेलवे मालगोदाम के पास से पकड़ा और पूछताछ की, तो उसने जो बताया, वह इस बात का उदाहरण बन गया कि कैसे अचानक मिला मौका और इंसानी लालच अपराध में बदल जाते हैं। जितेन्द्र ने बताया कि उसकी बुआ की बेटी जयपुर से आ रही थी, जिसे लेने वह बस पर गया था। जब वह बस से उतर रहा था, तभी एक खाली सीट पर उसे एक लेडीज पर्स पड़ा मिला। पर्स खोलकर देखा तो उसमें सोने के गहने थे। इस एक पल में जितेन्द्र का मन डोल गया। उसने पर्स वहीं न लौटाकर चोरी कर लिया और मौके से निकल गया।

में ही हुई है, लेकिन जब तक जानकारी मिली, तब तक बस में सवार सभी यात्री निकल चुके थे।

मोबाइल लोकेशन से मिला सुराग

कोतवाली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने टीम को निर्देश दिए और 10 हजार रुपए इनाम की घोषणा की। टीम ने बस में सवार सवारियों की मोबाइल लोकेशन निकाली। एक मोबाइल धारक की लोकेशन ने पुलिस का

इस आधार पर जब पुलिस ने सदेह के घेरे में आए जितेन्द्र पुत्र कैलाश केवट, निवासी फिर कोर्ट रोड पर उसका मोबाइल बंद हुआ। कुछ देर बाद वही मोबाइल फिजिकल थाना क्षेत्र के जैन मंदिर के पास चालू हुआ।
बरामद हुआ पूरा माल

जितेन्द्र की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गया पूरा माल 100 ग्राम सोने के जेवरत और एक मोबाइल फोन बरामद कर लिया है।

माँ राज राजेश्वरी दरबार उत्सव समिति का उदर एवं लिवर रोग शिविर 13 जुलाई को

प्रसिद्ध गेस्ट्रो चिकित्सक

डॉ. शरतचन्द्रा करेंगे मरीजों का

निःशुल्क उपचार, मरीज के रोग

की जांच भी होंगी निःशुल्क

शिवपुरी। समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत माँ राज राजेश्वरी दरबार उत्सव समिति के तत्वाधान में संस्था का निःशुल्क उदर एवं लिवर रोग शिविर का आयोजन आगामी 13 जुलाई को प्रातः 9 बजे 2 बजे तक स्थानीय मंगलम् भवन, कोर्ट रोड़, शिवपुरी पर किया जा रहा है। शिविर में प्रसिद्ध गेस्ट्रो चिकित्सक डॉ.शरतचन्द्रा शिविर में आने वाले मरीजों का निःशुल्क उपचार करेंगे और मरीजों के रोग से संबंधित जांचें भी निःशुल्क की जाएंगी। समिति के द्वारा समस्त पेट रोग से ग्रसित मरीजों से स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की है। जानकारी देते हुए माँ राज राजेश्वरी दरबार उत्सव समिति अध्यक्ष कपिल सहगल व सचिव तरूण अग्रवाल ने बताया कि संस्था के द्वारा आयोजित शिविर में झांसी उग्र के उदर एवं लीवर रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.शरतचन्द्रा डी.एम. गैसेन्ट्रोलांजी के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदाय करेंगे। यह शिविर संस्था के दिवंगत सचिव स्व.श्री गोविन्द सिंह सेंगर स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में एक ओर जहां पेट एवं लीवर रोग से संबंधित मरीजों का

निःशुल्क उपचार किया जाएगा तो वहीं ऐसी जांचें जो बाजार में महंगे दामों में होती है वह आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क जांच भी शिविर में की जाएगी, शिविर में आवश्यकतानुसार लीवर का स्कैन करने की मशीन मौके पर मौजूद रहेगी, इस शिविर में हैपेटाइटिस बी एवं हैपेटाइटिस सी की जांच भी निःशुल्क की जाएंगी। शिविर में भाग लेने वाले मरीजों का पंजीयन शिविर स्थल मंगलम भवन, कोर्ट रोड़, शिवपुरी पर शिविर समय प्रातः 9 बजे से 12 तक किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने के लिए संस्था के सहयोगीजनों संरक्षक मैथिलीशरण मिश्रा, रामशरण अग्रवाल, अमन गोयल, राधेश्याम गुप्ता, उपाध्यक्ष कृष्णदेव गुप्ता, मुन्ना बाबू गोयल, देवेन्द्र मित्तल, सह सचिव धर्मेन्द्र जैन,कोषाध्यक्ष रमन अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष सुशील गोयल, भंडारी हरिओम गर्ग, प्रचार मंत्री राजू ग्वाल, गोपालदास बंसल, राजकुमार मंगल, महेन्द्र रावत, सतोष शिवहरे, सुरेन्द्र साहू बंदूक वाले, राजकुमार बिन्दल, विष्णु बंसल चक्र वाले, आलोक गोयल, बृजेश जैन, संकल्प सेंगर, अंकित सेंगर, गोविन्द नामदेव, चिराग गुप्ता, नंदू सेन, विष्णु खण्डेलवाल, कृष्णा गोयल आदि ने अधिक से अधिक मरीजों से शिविर में आकर स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की है।

ब्रीफ न्यूज

इजरायल ने खरीदा
ब्रह्मास्त्र, टच करते ही चिंदी
बम भी बन जाएगा स्मार्ट

तेलअबीव। इस वक्त दुनिया में खतरनाक से खतरनाक हथियार जुटने और इसका जखीरा बढ़ाने की होड़ लगी हुई है। जंग के मैदान बने दुनिया के कई हिस्सों में हर तरफ गोले-बारूद और मिसाइलों से हुआ विनाश ही दिखाई देता है। बावजूद इसके युद्ध में कूद पड़े देश अपने हथियारों के जखीरे को बढ़ाने पर ही काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब इजरायल, अमेरिका से ऐसे हथियार खरीद रहा है, जिसका वार कभी खाली नहीं जाता। इजरायल-ईरान के युद्ध में इजरायल ने अपने हथियारों को जो डिस्पले किया, वो दुनिया ने देखा। हालांकि ईरान ने भी इसका जवाब धमाकेदार मिसाइलों से दिया था। ऐसे में अब इजरायल अपने तरकश में ऐसे स्मार्ट बम जोड़ रहा है, जो दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूत कर देगा।

शेख हसीना को 6 माह की
सजा, बढ़ सकती हैं पूर्व
पीएम की मुश्किलें

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने पूर्व पीएम शेख हसीना को छह महीने की कैद की सजा सुनाई है। हसीना पर बांग्लादेश में इस वक्त 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। यह अबतक पहला मामला है, जिसमें सजा का ऐलान किया गया है। हसीना पर अदालत की अवमानना के केस में यह सजा सुनाई गई है। शेख हसीना इस वक्त भारत में हैं। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनूस की अंतरिम सरकार है। कोर्ट ने शेखा हसीना से जुड़े फैसले में गैर्बांधा के गोविंदगंज के शकील अकंद बुलबुल को दो महीने की जेल की सजा सुनाई। यह पहली बार है जब अवामी लीग नेता को 11 महीने पहले पद छोड़ने और देश से भागने के बाद किसी मामले में सजा सुनाई गई है। 1 जुलाई को शेख हसीना ने मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोपों से इनकार किया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दक्षिण अफ्रीका वापस जाने की दी थी चेतावनी

धमकी के बाद बदले एलन मस्क के सुर, ट्रंप की तारीफ कर बताया शांतिदूत



एजेंसी ■ वाशिंगटन

एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनातनी के बीच मस्क के अमेरिका में नई पार्टी की जरूरत वाले बयान का मतलब भी लोग नहीं समझ पाए थे कि एलन मस्क की एक और पोस्ट वायरल हो गई, जिसमें वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ कर रहे हैं। कल तक जिसके बनाए गए विधेयक को वह पागलपन और सनकी बता रहे थे, उसी को आज शांतिदूत बता रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मस्क का यह बयान तब आया, जब

ट्रंप ने उन्हें अमेरिका से दक्षिण अफ्रीका वापस जाने की चेतावनी दे दी थी। ट्रंप और मस्क के बीच का ये तनाव मई 2025 में तब शुरू हुआ जब मस्क ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी से इस्तीफा दे दिया था। ऐसा लग रहा है कि ये नीतिगत मतभेदों और व्यक्तिगत अहंकार की वजह से हुआ है, लेकिन हर दिन दिए गए-दूसरे को लेकर खट्टे-मीठे बयान अब कनफ्यूज कर रहे हैं।

एलन मस्क ने एक दिन पहले अपने एक्स पर लिखा था- अमेरिका को एक नई पार्टी की जरूरत है और देश की दोनों पार्टियां ही एक जैसी हैं। 2 जुलाई को उनके सुर ही बदल गए। उन्होंने एक्स पर लिखा- डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई गंभीर संघर्षों को

सफलतापूर्वक सुलझाया है। उन्होंने अपनी इस पोस्ट के साथ विशेष रूप से ट्रंप की गाजा में 60 दिन का युद्धविराम की घोषणा का जिक्र करते हुए ट्रंप का पोस्ट शेयर किया है। फ्लोरिडा में बने अवैध प्रवासियों को डिटेंशन सेंटर की ओपनिंग की खबरों के बीच ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या एलन मस्क को भी अमेरिका से डिपोर्ट किया जाएगा क्योंकि वह अमेरिकन नहीं हैं? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा 'पता नहीं, इस पर गौर करना पड़ेगा'। ट्रंप के इस रिएक्शन पर एलन मस्क ने गोलमोल जवाब एक बार फिर सोशल मीडिया पर दिया लेकिन उसके कुछ घंटे बाद की गई ट्रंप की तारीफ बताती है कि एलन मस्क अपना नुकसान करना नहीं

चाहते हैं। वैसे भी मस्क जानते हैं कि ट्रंप अपने अहंकार में कुछ भी कर सकते हैं। बता दें एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच की दोस्ती साल 2024 में परवान चढ़ी, जब राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने ट्रंप को 250-300 मिलियन डॉलर की मदद की। उन्होंने एक्स प्लेटफॉर्म भी खरीदा और सुपर पीएसी के जरिए आर्थिक सहयोग भी दिया। बदले में ट्रंप ने सरकार बनते ही मस्क को डॉज में लगा दिया। उनका यही कदम इस दोस्ती के लिए घातक साबित हुआ। उन्होंने डॉज से इस्तीफा दिया और ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल बिल का विरोध करना शुरू कर दिया। यहीं से शुरू हुआ विवाद फिर कभी सुलझ ही नहीं पाया।

पाकिस्तान के मददगार अजरबैजान को सबक सिखाने की तैयारी में रूस

एजेंसी ■ मॉस्को

पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इस दौरान अजरबैजान ने पाकिस्तान की जमकर मदद की थी। अब इस देश ने रूस से भी पंगा लेना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि रूस अजरबैजान को सबक सिखाने की तैयारी कर रहा है। रूस और अजरबैजान के बीच हाल के दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। ये दोनों देश कभी सोवियत संघ का हिस्सा थे और लंबे समय तक एक-दूसरे के करीबी सहयोगी रहे, लेकिन अब एक गंभीर राजनयिक विवाद में उलझ गए हैं। इस तनाव की शुरुआत कुछ खास घटनाओं से हुई, जिन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को गहरी चोट पहुंचाई है। अजरबैजान के बारे में बता दें कि इस देश के भारत के भी रिश्ते कुछ खास नहीं हैं। अजरबैजान खुलकर भारत के दुश्मन देश यानी पाकिस्तान का



समर्थन करता है। 27 जून को रूस के येकातेरिनबर्ग शहर में रूसी पुलिस ने अजरबैजानी मूल के लोगों के खिलाफ एक बड़ी छापेमारी की। यह छापेमारी 2000 के दशक की कुछ हत्याओं की जांच के लिए थी, जिनमें अजरबैजानी अपराधी गिरोहों का हाथ माना जा रहा था। इस दौरान दो

अजरबैजान ने इसे जानबूझकर हत्या और यातना करार दिया, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव भड़क उठा। इस घटना के जवाब में, अजरबैजान ने बाकु में रूसी सरकार द्वारा संचालित मीडिया आउटलेट स्मूतनिक अजरबैजान के दफ्तर पर छापा मारा। इस छापेमारी में स्मूतनिक के दो वरिष्ठ पत्रकारों, इगोर कार्ताविख और येवगेनी बेलोसोव सहित सात रूसी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। उन पर धोखाधड़ी, अवैध व्यापार और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोप लगाए गए। इसके अलावा, लगभग 15 अन्य रूसी नागरिकों को ड्रग तस्करी और साइबर अपराध के आरोप में हिरासत में लिया गया। रूस ने इन गिरफ्तारियों को अनुचित और प्रतिशोधी बताया, जिससे विवाद और गहरा हो गया।

इंडोनेशिया में डूबी नाव, 65 लोग बड़े, चार शव मिले, बाकी के लापता

बाली। इंडोनेशिया के बाली शहर के पास भयानक हादसा देखने को मिला है। बुधवार देर रात एक यात्रियों से भरी नाव 'केएमपी तुनु प्रतम जया' डूब गई। यह नाव पूर्वी जावा के केतापंग बंदरगाह से बाली के गिलिमानुक बंदरगाह की ओर रवाना हुई थी, लेकिन आधे घंटे के अंदर ही समंदर की लहरों ने उसे निगल लिया। इस नौका में कुल 65 लोग सवार थे, जिनमें 53 यात्री और 12 कर्मचारी शामिल थे। साथ में 22 वाहन भी थे, जिनमें 14 ट्रक शामिल थे। अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं और 23 लोगों को बचा लिया गया है, जिनमें से कई को बेहोशी की हालत में समुद्र की लहरों से निकाल कर जिंदा बचाया गया।

क्यूबा में प्रति 155 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध



एजेंसी ■ हवाना

क्या आप जानते हैं कि क्यूबा में प्रति 155 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है, जो अमेरिका और इटली जैसे देशों से बेहतर अनुपात है। क्यूबा हर साल हजारों बेहतरीन डॉक्टर तैयार करता है जो पूरी दुनिया में अपनी सेवाएं देते हैं। क्यूबा के डॉक्टरों की प्रतिष्ठित इतनी मजबूत है कि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन भी इसके हेल्थ सिस्टम को एक उदाहरण मानता है और कहता है कि बाकी देशों को इससे सीखना चाहिए। इसका उदाहरण वर्ष 2020 से 2023 तक जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी, एक छोटा सा देश सबसे आगे खड़ा नजर आया। यह देश है क्यूबा। करीब 1.15 करोड़ की आबादी वाला यह देश दुनिया के सबसे ज्यादा देशों में अपने डॉक्टर भेजने वाला बन गया। उसने अपने दम पर पांच कोरोना वैक्सीन विकसित कीं। क्यूबा की चिकित्सा शिक्षा दुनिया में सबसे बेहतरीन मानी जाती है। यह पूरी तरह निःशुल्क है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्र भी डॉक्टर बन पाते हैं। दाखिला हाईस्कूल में अच्छे अंकों और प्रवेश परीक्षा के आधार पर मिलता है, और ग्रामीण छात्रों के लिए विशेष कोटा भी है। यहां के सभी मेडिकल कॉलेज सरकारी हैं और शिक्षा में सरकार का निवेश बहुत ज्यादा है। प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर खास जोर दिया जाता है।



सपनों को पंख
प्रतिभा को सम्मान



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री



प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना

अंतर्गत

94,234 विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि का अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

4 जुलाई, 2025 | पूर्वाह्न 10:30 बजे | कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार, भोपाल

12वीं में 75% या उससे अधिक अंक लाने वाले

5 लाख

से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए अब तक

₹1315 करोड़

से अधिक राशि का अंतरण किया गया

सीधा प्रसारण

webcast.gov.in/mp/cmevents

 @Ommdhypradesh @jansampark_madhyapradesh

 @Ommdhypradesh @jansamparkMP

 jansamparkMP

भोपाल - अ.स. 04/07/2025

D-11057/25

देश में नशे के सौदागरों का बढ़ता जाल

भारत में नशे का संकट अब व्यक्तिगत बुराई नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा बन चुका है। ड्रग माफिया, तस्करी, राजनीतिक संरक्षण और सामाजिक चुप्पी—सब मिलकर युवाओं को अंधकार में ढकेल रहे हैं। स्कूलों से लेकर गांवों तक नशे की जड़ें फैल चुकी हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य नहीं, सोच और सभ्यता का संकट है। समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना, संवाद, शिक्षा और सामाजिक नेतृत्व से आएगा। अगर आज हम नहीं जगे, तो कल हम एक खोई हुई पीढ़ी का मातम मनाएंगे। भारत आज एक दोहरी लड़ाई लड़ रहा है—एक तरफ तकनीक और विकास की उड़ान है, और दूसरी ओर समाज के भीतर नशे का अंधकार फैलता जा रहा है। नशा अब सिर्फ एक व्यक्तिगत बुराई नहीं रह गया, बल्कि यह एक संगठित उद्योग, एक अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र और एक सामाजिक महामारी का रूप ले चुका है। देश के गाँव से लेकर शहर तक, स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक, और अमीरों की पार्टियों से लेकर गरीबों की गलियों तक, नशे के सौदागर अपना जाल फैलाए बैठे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह

है कि अब यह जाल केवल शराब या गांजे तक सीमित नहीं रहा। सिंथेटिक ड्रग्स, केमिकल नशे, हेरोइन, ब्राउन शुगर, कोकीन जैसे घातक पदार्थ अब भारत के युवाओं के जीवन को खोखला कर रहे हैं। पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, मणिपुर, गोवा जैसे राज्यों में तो यह जहर सामाजिक ताने-बाने को चीर चुका है। एक ओर सरकार युवाओं को स्किलड बनाने की बात करती है, दूसरी ओर लाखों नौजवान नशे की गिरफ्त में अपनी ऊर्जा, जीवन और भविष्य गंवा रहे हैं।

नशे के पीछे एक पुरा तंत्र सक्रिय है—पैसे के लिए इंसानियत का सौदा करने वाले ड्रग माफिया, पुलिस और राजनीति में मिलीभगत, विदेशों से आने वाली तस्करी की खेप, और स्थानीय स्तर पर युवाओं को इस दलदल में धकेलने वाले एजेंट। ये सब मिलकर देश को अंदर से खोखला कर रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं कि हर बड़ी ड्रग बरामदगी के पीछे किसी न किसी रसूखदार का नाम साबने आता है, लेकिन मामला वहीं दबा दिया जाता है। एक वर्ग ऐसा भी है जो नशे को लाइफस्टाइल का हिस्सा मानने लगा है। ऊंचे दर्जे की पार्टियों में ड्रग्स फैशन बन चुकी है।



वहां कोई इसे सामाजिक अपराध नहीं मानता, बल्कि 'कूलनेस' का प्रतीक बना दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ गरीब युवा—जो बेरोजगारी, हताशा और टूटी हुई उम्मीदों के शिकार हैं—उन्हें नशा एक अस्थायी राहत की तरह दिखता है। दोनों ही हालात समाज को विनाश की ओर ले जा रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में नशा जिस तरह से प्रवेश कर चुका है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी चेतावनी है। कई रिपोर्टें बताती हैं कि स्कूल के बच्चे तक ड्रग्स की चपेट में हैं। छोटे-छोटे पाउच, चॉकलेट जैसे पैकेट्स, खुशबूदार पाउडर—इनके जरिए नशा परोसा जा रहा है।

परिवर्तन को समर्थ बनाना :

महिला एवं बाल विकास में तकनीकी परिवर्तन का एक दशक



■ श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

सरकार द्वारा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, रियल-टाइम डेटा सिस्टम और उत्तरदायी शासन पर जोर दिए जाने की बढ़ौलत संभव हुआ है। मंत्रालय ने देखरेख, संरक्षण और सशक्तीकरण पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करते हुए – पोषण, शिक्षा, कानूनी सुरक्षा और आवश्यक अधिकारों तक पहुँच को मजबूत किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं और बच्चे न केवल अधिक स्वस्थ, अधिक सुरक्षित जीवन जी सकें, बल्कि वे आत्मविश्वासी नेतृत्व कर्ता और अमृत काल के परिवर्तनकर्ता के रूप में भी उभर सकें।जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री ने बहुत सटीक रूप से कहा है, मैं प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाने के साधन के रूप में तथा आशा और अवसर के बीच की दूरी को पाटने वाले उपकरण के रूप में देखता हूँ। इस लोकाचार ने मैनुअल प्रक्रियाओं से लेकर रियल-टाइम डैशबोर्ड तक, असंबद्ध योजनाओं से लेकर एकीकृत प्लेटफार्मों तक हमारे परिवर्तन का मार्गदर्शन किया है।

इस परिवर्तन की आधारशिला सक्षम आंगनवाड़ी पहल है। भारत भर में 2 लाख से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए निरूपित यह कार्यक्रम बाल्याखवस्थाआ देखरेख और विकास की अमूलि पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है। पोषण, स्वास्थ्य सेवा और पूर्व-विद्यालयी शिक्षा सेवाओं की ज्यादा प्रभावी प्रदायगी संभव बनाते हुए इन केंद्रों को स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल डिवाइस और नए-नए लर्निंग टूल्स के साथ अपग्रेड किया जा रहा है।

देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को पोषण ट्रैकर के साथ एकीकृत करने से रियल-टाइम डेटा एंटी, कार्य निष्पालदन की निगरानी और साक्ष्य-आधारित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो पाया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन और व्यापक प्रशिक्षण से लैस करके, यह पहल अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करती है। यह 2014 से पहले मौजूद मैनुअल रिकॉर्ड-कीपिंग और डेटा ब्लाईड स्पॉट से एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है।

एक दशक पहले, आईसीडीएस प्रणाली असंबद्ध डेटा, विलंबित प्रतिक्रियाओं और रियल-टाइम ट्रैकिंग की कमी से दबी हुई थी। पोषण ट्रैकर ने - पोषण सेवा प्रदायगी में

शक्तिकरण की शुरुआत पहुँच - अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँच से होती है । बीते दशक में, अधिक समावेशी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत का निर्माण करने पर केंद्रित मोदी सरकार की प्रतिबद्धता के माध्यम से इस पहुँच को नए सिरे से परिभाषित किया गया है और सभी के लिए सुलभ बनाया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस परिवर्तन में सबसे अग्रणी रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत ३2047 के विजन से निर्देशित, मंत्रालय ने लाभ को अंतिम छोर तक त्वनरित, पारदर्शी और कुशल तरीके से पहुँचाना सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यक्रमों में प्रौद्योगिकी को व्यवस्थित रूप से एकीकृत किया है।

हम अक्सर कहते हैं: सशक्त महिलाएँ, सशक्त भारत। और सशक्तिकरण की शुरुआत पहुँच - अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँच से होनी चाहिए । आज, यह पहुँच तेजी से डिजिटल होती जा रही है।

जो कभी आकांक्षापूर्ण था, वह अब क्रियाशील बन चुका है -ऐसा सरकार द्वारा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, रियल-टाइम डेटा सिस्टम और उत्तरदायी शासन पर जोर दिए जाने की बढ़ौलत संभव हुआ है। मंत्रालय ने देखरेख, संरक्षण और सशक्तीकरण पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करते हुए - पोषण, शिक्षा, कानूनी सुरक्षा और आवश्यक अधिकारों तक पहुँच को मजबूत किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं और बच्चे न केवल अधिक स्वस्थ, अधिक सुरक्षित जीवन जी सकें, बल्कि वे आत्मविश्वासी नेतृत्व कर्ता और अमृत काल के परिवर्तनकर्ता के रूप में भी उभर सकें।जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री ने बहुत सटीक रूप से कहा है, मैं प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाने के साधन के रूप में तथा आशा और अवसर के बीच की दूरी को पाटने वाले उपकरण के रूप में देखता हूँ। इस लोकाचार ने मैनुअल प्रक्रियाओं से लेकर रियल-टाइम डैशबोर्ड तक, असंबद्ध योजनाओं से लेकर एकीकृत प्लेटफार्मों तक हमारे परिवर्तन का मार्गदर्शन किया है।

इस परिवर्तन की आधारशिला सक्षम आंगनवाड़ी पहल है। भारत भर में 2 लाख से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए निरूपित यह कार्यक्रम बाल्याखवस्थाआ देखरेख और विकास की अमूलि पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है। पोषण, स्वास्थ्य सेवा और पूर्व-विद्यालयी शिक्षा सेवाओं की ज्यादा प्रभावी प्रदायगी संभव बनाते हुए इन केंद्रों को स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल डिवाइस और नए-नए लर्निंग टूल्स के साथ अपग्रेड किया जा रहा है।

देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को पोषण ट्रैकर के साथ एकीकृत करने से रियल-टाइम डेटा एंटी, कार्य निष्पालदन की निगरानी और साक्ष्य-आधारित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो पाया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन और व्यापक प्रशिक्षण से लैस करके, यह पहल अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करती है। यह 2014 से पहले मौजूद मैनुअल रिकॉर्ड-कीपिंग और डेटा ब्लाईड स्पॉट से एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है।

एक दशक पहले, आईसीडीएस प्रणाली असंबद्ध डेटा, विलंबित प्रतिक्रियाओं और रियल-टाइम ट्रैकिंग की कमी से दबी हुई थी। पोषण ट्रैकर ने - पोषण सेवा प्रदायगी में

सटीकता, दक्षता और जवाबदेही की शुरुआत कर इस परिदृश्य को बदल दिया है ।

10.14 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी अब इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं- जिनमें गर्भवती महिलाएँ, स्तनपान कराने वाली माताएँ, छह साल से कम उम्र के बच्चे और किशोरियाँ शामिल हैं। यह प्लैटफॉर्म विकास की निगरानी और पूरक पोषण प्रदायगी पर रियल-टाइम अपडेट को सक्षम बनाते हुए समय पर हस्तक्षेप और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करता है। डिजिटल रूप से सशक्त सामुदायिक केंद्रों के रूप में आंगनवाड़ी केंद्रों की नए सिरे से परिकल्पना कर, शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटते हुए-पोषण ट्रैकर महत्वापूर्ण रूप से स्वस्थ भारत, सुपोषित भारत के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ा रहा है।

लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (2025) से सम्मानीत यह मंच 'पोषण भी पढ़ाई भी' का भी समर्थन करता है, जो प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करते हुए विकसित भारत के अमृत काल में



समग्र देखभाल को बढ़ावा दे रहा है।

पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) में पारदर्शिता को और मजबूत करने तथा लीकेज कम करने के लिए एक फंशियल रिकॉगनिशन सिस्टम शुरू किया गया है। इस डिलिवरी तंत्र को सुरक्षित, सटीक और सम्मानजनक बनाते हुए यह सुनिश्चित करता है कि पोषण सहायता केवल पात्र लाभार्थियों को ही मिले।

प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफॉर्म के माध्यम से यह मंत्रालय पोषण से बढ़कर, महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित कर रहा है। शी-बॉक्स पोर्टल हर महिला को, चाहे वह किसी भी रोजगार की स्थिति में हो या संगठित या असंगठित, निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में काम करती हो, पॉश अधिनियम के तहत उसे शिकायत दर्ज करने के लिए सिंगल-विंडो एक्सेस प्रदान करता है - जिससे ऑनलाइन निवारण और ट्रैकिंग संभव हो पाती है। इस बीच, मिशन शक्ति डैशबोर्ड एंड मोबाइल ऐप संकट से घिरी महिलाओं को एकीकृत सहायता प्रदान करता है, उन्हें निकटतम वन स्टॉप सेंटर से जोड़ता है - जो अब लगभग हर जिले में चालू है। ये कदम इस बात का उदाहरण हैं कि तकनीक का उपयोग न केवल दक्षता के लिए, बल्कि न्याय, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए भी किया जा रहा है।

एक दशक पहले, मातृत्व लाभ की निगरानी करना मुश्किल था और इसमें देरी होती थी। मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) की शुरुआत की है - जो मातृ कल्याण की दिशा में बहुत बढ़लाव है। पीएमएमवीवाई नियम, 2022 के तहत, गर्भवती महिलाओं को उनके पहले बच्चे के लिए 5,000

रुपये की राशि मिलती है । मिशन शक्ति के तहत, अगर दूसरा बच्चा लड़की है, तो - बेटियों के लिए सकारात्मक सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देते हुए लाभ की राशि 6,000 रुपये तक बढ़ जाती है। कागज रहित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से वितरित, शुरुआत से अब तक 4 करोड़ से अधिक महिला लाभार्थियों तक 1,9000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुँच चुकी है।

पीएमएमवीवाई - आधार-आधारित प्रमाणीकरण, मोबाइल-आधारित पंजीकरण, आंगनवाड़ी/आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर सहायता और रियल-टाइम डैशबोर्ड का लाभ उठाते हुए एक पूर्णतः डिजिटल कार्यक्रम है। एक समर्पित शिकायत निवारण मॉड्यूल तथा पारदर्शिता, विश्वास और जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला नागरिकों से संबंधित पोर्टल है - जो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

ये लक्षित प्रयास ठोस नतीजे दे रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) की स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) की नवीनतम रिपोर्ट से पता चलता है कि जन्म के समय लिंगानुपात (एसआरबी) 918 (2014-15) से बढ़कर 930 (2023-24) हो गया है, जिसमें 12 अंकों का शुद्ध सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। मातृ मृत्यु दर 130 प्रति 1000 जन्म (2014-16) से घटकर 97 प्रति 1000 जन्म (2018-20) हो गई है - जो हमारी सरकार के पिछले एक दशक के निरंतर प्रयासों के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करता है। प्रत्येक बच्चो पोषित, सुरक्षित और संरक्षित वातावरण का हकदार है। हाल के वर्षों में, डिजिटल परिवर्तन ने बाल संरक्षण और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किशोर न्याय अधिनियम के तहत, मंत्रालय ने केयरिस् पोर्टल (बाल दत्तक ग्रहण संसाधन सूचना एवं मार्गदर्शन प्रणाली) के माध्यम से गोद लेने के इकोसिस्टम को मजबूत किया है। यह डिजिटल इंटरफेस एक अधिक पारदर्शी, सुलभ और कुशल गोद लेने की प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।

डिजिटलीकरण ने बाल देखभाल संस्थाओं, पालन-पोषण केंद्रों और जेजे अधिनियम के तहत वैधानिक सहायता संरचनाओं की निगरानी में भी सुधार किया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा विकसित प्लेटफॉर्म बाल अधिकारों के उल्लंघन पर सक्रिय रूप से नज़र रख रहे हैं। इस बीच, मिशन वात्सल्य डैशबोर्ड विभिन्न बाल कल्याण हितधारकों के बीच अभिसरण और समन्वय को मजबूत करता है।

यह नया भारत है - जहाँ शासन प्रौद्योगिकी से मिलता है, और जहाँ नीति उद्देश्य से मिलती है। पिछले दशक में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन््रद्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने न केवल डिजिटल परिवर्तन को अपनाया है - बल्कि इसका समर्थन भी किया है। जैसे-जैसे हम अमृत काल में आगे बढ़ रहे हैं, मंत्रालय प्रत्येक महिला और प्रत्येक बच्चे का विकास को भागीदार बनना सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़कर नेतृत्व करना जारी रखेगा। प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और लक्षित कार्रवाई के माध्यम से, हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रहे हैं जहाँ सशक्तिकरण महज नारा भर नहीं है - बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए वास्तविकता है।

(लेखिका केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

बेरहम बरसात का कहर खौफनाक मंजर कब थमेगा

बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे रही है जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेंगे। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी है। 156 लोग लापता हैं और 19 लोगों की मौत हो चुकी है सैकड़ों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए।देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव हो रहा है घ घ कुल्लू के बंजार मे 250 सैलानी को सुरक्षित निकाल दिया ढ़ घ प्रदेश मे 245 सड़के बंद हो चुकी हैं और 918 बिजली के ट्रांसफार्मर ध्वत हो चुके हैं 683 पेयजल योजनाएँ तबाह हो गई हैं घजुन

महीने से ही यह बरसात शुरू हो गई है।बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखा रही है।बरसात ज़िंदगियां लील रही है।सैकड़ों लोग मौत के आगोश में समा चुके हैं।आशियाने जर्मीदोज हो रहे हैं। 30 जून 2025 को काली और खौफनाक रात को गोहर के सूर्यज मे बादल फटने से परिवार के नौ लोग जमीदोज हो गए हैं घ करसोग मे भी तीन लोगों की मौत हो गई है चारों तरफ तबाही की इबारत लिखी जा रही है अभी तो जुलाई और अगस्त महीने मे पता नहीं कितने लोगों को प्रकृति मौत की गोद सुला देगी प्रकृति के इस खौफ से जनमानस खौफजदा है घकुल्लू के सेंज गाँव मे चार दिन पहले बादल फटा था जिसमें बाप बेटी की दर्दनाक मौत हो गई थी घ दत वर्ष 26 सितबर को रोनहाट में आधी रात को भूस्खलन होने से एक घर दब गया और उसमें छह लोगों की मौत हो गई थी दबने वालों में चार बच्चे व पति पत्नी थे। यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ।24 घंटों में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।20 अगस्त 2022 की रात को हिमाचल के लोग कभी नहीं भूल पाएंगें।20

अगस्त को मंडी के गोहर के काशन में एक मकान जर्मीदोज हो गया था जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे।एक घर से जब आठ अर्थियां उठी थी तो कायनात कांप उठी थी। बरसात का ऐसा कहर 2018 में हुआ था।चार साल बाद बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया।बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ दरक रहे थे।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी।गाँडियां फिसल रही थी।धांबला में खुडडी नाला में

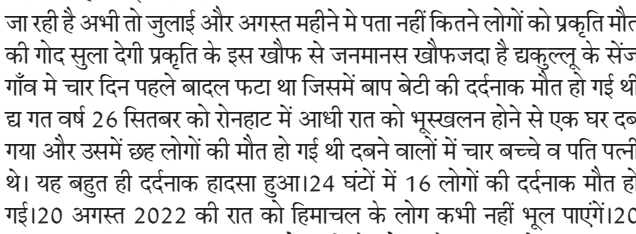
एक युवक तेज बहाव में बह गया था मगर लोगों ने बह रहे युवक को 200 मीटर दूर बचा लिया था।युवक की स्कूटी नाले में बह गई थीं।आनी में भी भूस्खलन से श्रध्दालुओं की कार पर पत्थर गिरने से हादसा हो गया भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हो गए थे।मवेशी व बकरियों की दबने से मौतें हो रही है।गोशाला गिरने से 2 मवेशियों व 20 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं। मणिकन में पिछले दिनों बादल फटने से काफी तबाही हुई थी कुछ लोग लापता हो गए थे।मानसून का कहर लोगों को मौत बांट रहा है। हिमाचल प्रदेश को अब तक करोड़ों का नुकसान हो चुका है।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं व लोग घायल हुए हैं।मौतों से हर हिमाचली गमीगीन हैं। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं।गत वर्ष 25 जुलाई को किन्नौर जिला में भूस्खलन की चपेट में आने के कारण ७ पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे।चार दिन पहले भरमौर में भी भूस्खलन के कारण कार दब गई थी और एक ही परिवार के चार लोग मारे गए थे।बारिश की तबाही से अब तक दो दर्जन लोगों की जान जा चुकी है और यह कहर जारी है।

गत वर्ष भी ऐसे हादसों से हिमाचल में तबाही हुई थी।गत वर्ष शिमला में भूस्खलन होने से 4 लोगों की दबकर मौत हो गई थी और कुमारसैन में दो मजदूरों की मौत हो गइ थीं।नालगढ़ में भी मकान पर डंगा गिरने से 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं।गत वर्ष लाहौल स्पीति में करीब 2000 पर्यटक फंसे थे।प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जर्मीदोज हो रहे हैं।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुकसान हुआ है।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांडव मचाया है। कहीं फिर से पहाड़ का मलबा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चुकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैकड़ों पशुओं की दबकर मौत हो गइ थीं।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोड़ों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जिनामाल का नुकसान हो रहा है।प्रकृति को इस विधिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए हैं बच्चे अनपथ हो जाते है।लाशे मलवे में दफन हो गई है।किन्नौर में पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती है।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरीं, शहरी व गांवो के लोगों को जागरक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अमोल जिनद्गीयां लील रहा है।हर राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चुकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। पिछले साल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए थे।अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते।

प्रेरणा

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपको एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी। एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर सब ध्यान की मुद्रा में बैठ ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठ है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर में लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूँढकर लाया जाए जिसने ये गुरताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठ है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीब्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।



नरेन्द्र भारती



ब्रीफ न्यूज

गिरवी रखी जमीन पर कब्जे का आरोप, पीड़ित ने एसपी से न्याय की लड़ाई गुहार



गुना। जिले के बमोरी थानांतर्गत ग्राम चक पारसी खेड़ा निवासी सुनील सहरिया ने पुलिस अधीक्षक गुना को आवेदन देकर अपनी पुश्तैनी जमीन को मुक्त कराने की गुहार लगाई है। सुनील का आरोप है कि उनके पिता नारायणलाल ने वर्ष 2009 में गांव पन्हेटी निवासी नोला बंजारा को 10 बीघा जमीन 62,000 में मात्र 9 माह के लिए गिरवी रखी थी, लेकिन तय अवधि बीत जाने के बाद भी जमीन वापस नहीं की गई। सुनील के अनुसार, फरवी 2010 में उन्होंने नोला बंजारा से संपर्क कर पैसे लौटाकर जमीन वापसी की बात की, लेकिन नोला ने बहाना बनाकर कुछ साल और खेती करने की बात कह दी। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने मानवीय दृष्टिकोण से कुछ और वर्ष उसे खेती करने दी, मगर अब जब जमीन वापस मांगी जा रही है, तो नोला बंजारा 30 लाख की मांग कर रहा है और धमकी दे रहा है कि पैसे नहीं दिए तो जमीन को भूल जाओ। आवेदन में सुनील ने यह भी उल्लेख किया है कि नोला उनके घर आकर धमकाने तक लगा है और जमीन को जबरन अपने नाम रजिस्ट्री कराने का दबाव बना रहा है। पीड़ित ने बताया कि पूर्व में भी उन्होंने इस संबंध में 4 अप्रैल और 5 मई 25 को थाने में आवेदन दिया था, जिस पर शुरुआत में पुलिस ने कुछ मदद की, लेकिन फिर कार्रवाई ठंडी पड़ गई। अब एक बार फिर सुनील ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि उन्हें उनका हक दिलाया जाए और कब्जाधारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, जिससे न्याय हो सके और जमीन वापस मिल सके।

पेट्रोल पंप पर माप में गड़बड़ी का आरोप, ग्राहक ने शिकायत कर जांच की मांग की



गुना। शहर के एक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की मात्रा को लेकर उपभोक्ता द्वारा गड़बड़ी की शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़ित अमित जैन निवासी साईं टाउनशिप ने कोतवाली थाना प्रभारी को दिए आवेदन में बताया कि उन्होंने बुधवार रात लगभग 8~45 बजे अपनी गाड़ी क्रमांक एमपी 08 एमजे 7806 में 200 का पेट्रोल भरवाया था। लेकिन उन्हें आश्चर्य हुआ कि पेट्रोल तय मात्रा से कम डाला गया है। अमित जैन के अनुसार, जब उन्होंने पंप कर्मचारी से विरोध किया तो कर्मचारी ने पहले तो बहस की, लेकिन बाद में जांच की बात मानते हुए पेट्रोल माप यंत्र से दोबारा पेट्रोल डाला। माप के दौरान 1 लीटर 800 मिलीलीटर पेट्रोल ही निकला, जबकि मशीन में दावा 1 लीटर 860 मिलीलीटर का था। इस पर जब अमित ने स्पष्ट तौर पर बताया कि उनकी गाड़ी में पहले से पेट्रोल मौजूद था और वाहन चलकर आया था, फिर भी निर्धारित मात्रा में ईंधन न मिलना स्पष्ट गड़बड़ी को दर्शाता है। शिकायत में अमित जैन ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराने की बात की, तो पंप कर्मचारी ने उन्हें रोकते हुए कहा कि आप शिकायत मत करो, मैं आपकी गाड़ी की टंकी फूल कर देता हूं और पैसे भी वापस लौटा देता हूं।

सत्ता सुधार ■ गुना

समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज और वर्तमान आचार्यश्री समय सागरजी महाराज के गृहस्थ जीवन के भ्राता, ज्येष्ठ निर्यापक श्रमण मुनिश्री योग सागरजी महाराज का 37 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद गुना जिले में पुनः मंगल प्रवेश हुआ है। यह ऐतिहासिक अवसर जैन समाज के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण बन गया, जब गुरुवार को मुनिश्री ससंघ ग्राम छीपोन से विहार करते हुए बजरंगगढ़ स्थित शांतिनाथ पुण्योदय तीर्थ क्षेत्र पहुंचे। **पुण्योदय तीर्थ पर मुनिसंघ ने किए दर्शन:** मुनिश्री योग सागरजी के साथ मुनिश्री निरोग सागर, निमोह सागर, निरामय सागर एवं निर्भीक सागरजी महाराज सहित ऐलकगण सुधार सागर,



चैत्य सागर, अपार सागर एवं स्वस्तिक सागरजी महाराज का भी संघ सहित आगमन हुआ। बजरंगगढ़ स्थित पुण्योदय तीर्थ क्षेत्र पर मूलनायक भगवान शांतिनाथ, कुंथनाथ एवं अरहनाथ भगवान के दर्शन कर मुनिसंघ ने पुण्य क्षेत्र को

पावन किया। तत्पश्चात क्षेत्र पर ही मुनिसंघ की आहारचर्या संपन्न हुई। **धार्मिक कार्यक्रमों से पुण्य क्षेत्र हुआ आलोकित:** मुनिसंघ के पावन सान्निध्य में पुण्योदय तीर्थ पर भगवान शांतिनाथ का शान्तिधारा, अभिषेक एवं विभिन्न धार्मिक

अनुष्ठान संपन्न हुए। इस पावन अवसर पर जैन समाज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ ले रहे हैं। मुनिसंघ की चरण रज से तीर्थ क्षेत्र की दिव्यता और भी निखर उठी है। **गुना नगर में 4 जुलाई को होगा भव्य**

प्रवेश: गुना जैन समाज अध्यक्ष संजय जैन, महामंत्री अनिल जैन (अंकल), बजरंगगढ़ कमेटी अध्यक्ष इंजीनियर एस.के. जैन एवं महामंत्री प्रदीप जैन ने बताया कि मुनि ससंघ का गुना नगर में भव्य प्रवेश 4 जुलाई को दोपहर 2~31 बजे होगा। इसके लिए नगर में स्वागत एवं अगवानी की भव्य तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मुनिसंघ के आगमन को लेकर गुना, बजरंगगढ़ एवं आरोन सहित आसपास के जैन समाज में उल्लास और धर्मप्रेम की लहर दौड़ गई है। समाजजन मंगल प्रवेश के पावन क्षणों का साक्षी बनने को उत्साहित हैं। नगर के धार्मिक संगठनों द्वारा भी स्वागत के लिए व्यापक सहभागिता की जा रही है। इस दौरान मुनिसंघ की अगवानी का जुलूस बीजी

नगर में सजेगा धर्ममय दृश्य

गुना नगर में मुनिसंघ के प्रवेश अवसर पर जगह-जगह तोरणद्वार, पुष्प वर्षा, गगनभेदी घोष और भक्ति गीतों से वातावरण धर्ममय हो उठेगा। गुना जैन समाज ने सभी धर्मप्रेमियों से इस पावन अवसर पर अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने का आह्वान किया है।

रोड नसियांजी से जयस्तंभ चौराहा, सदर बाजार, नीचला बाजार, बताशा गली से चौधरी मोहल्ल स्थित पार्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचेगा। यहां मुनिसंघर अगले चार महीने चातुर्मास में तप, साधना करेंगे।

हंगामे के बाद संवाद : वकीलों के बीच पहुंचे कलेक्टर

बुधवार को भड़के वकीलों ने डोंग को पहनाई थी कलेक्टर की पट्टी, गुरुवार को वकीलों के बीच पहुंचे कलेक्टर तो मिले गुलदस्ते

सत्ता सुधार ■ गुना

जिला न्यायालय परिसर को शिफ्ट किए जाने की सुगबुगाहट ने गुना के वकीलों और प्रशासन के बीच तकरार की चिंगारी को हवा दे दी। बुधवार को हुए चक्काजाम और विवादित प्रदर्शन के बाद गुरुवार को पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया, जब कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल स्वयं जिला न्यायालय पहुंचे और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र व अन्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में वकीलों के साथ संवाद स्थापित किया। कलेक्टर ने बीते दिन की घटनाओं पर अफसोस जाहिर करते हुए स्पष्ट कहा कि प्रशासन की मंशा केवल जिले के विकास की है, न कि टकराव की। उन्होंने कहा कि



हमें गुना को गुनाओं से नहीं, बल्कि उपलब्धियों से पहचान दिलानी है। अगर कहीं प्रशासनिक समन्वय में चूक हुई है तो वह सुधारी जाएगी, लेकिन विरोध का तरीका ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे पूरे जिले की छवि पर आंच आए। दरअसल बुधवार को न्यायालय परिसर के स्थानांतरण के

विरोध में वकीलों ने हनुमान चौराहे पर करीब ढाई घंटे का चक्काजाम किया था। ज्ञापन देने पहुंचे वकील कलेक्टर की अनुपस्थिति से आक्रोशित हो उठे और एक पालतू डॉंग के गले में कलेक्टर गुना लिखी नेमप्लेट टांगकर उसे ही प्रतीकात्मक रूप से ज्ञापन सौंप दिया। यह तस्वीर सोशल मीडिया

पर वायरल हुई और मामला सांसद से लेकर मुख्यमंत्री तक की जानकारी में पहुंच गया।

कलेक्टर ने अपने बयान में कहा कि बुधवार को वे कलेक्ट्रेट पहुंच चुके थे और ज्ञापन लेने के लिए एडीएम, एसडीएम जैसे अधिकारी वहां मौजूद थे। लेकिन जब वकीलों की यह विशेष मांग

बोले- विरोध हो, पर मर्यादा में, वकीलों ने भी दिलाया सहयोग का भरोसा

पंडितजी सुनाते रहे कथा, चोर ने दान में डाला डाका

कथा पांडाल में श्रद्धालुओं के बीच घुसा चोर, मंच के पास से उड़ाई दान की थैली, पुलिस ने कुछ ही घंटों में किया पर्दाफाश

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के कुंभराज में एक ओर जहां श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रद्धालुओं की आंखें भक्ति रस में डूबी थीं, वहीं दूसरी ओर एक चोर मौके की ताक में बैठ था। घटना कुंभराज के गुरु महाराज मंदिर परिसर की है, जहां पाराशर परिवार की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान दान की राशि पर चोर ने हाथ साफ कर दिया। लेकिन चोर यह नहीं जानता था कि इस बार उसकी हरकत कैमरे में कैद हो चुकी है और पुलिस उसकी हर चाल पर नजर रख रही है। घटना गत दिवस तब की है जब कथावाचक पंडित भरतलाल शास्त्री कथा मंच से सुदामा चरित्र सुना रहे थे। कथा में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता की भावना से श्रोता भाव-विभोर थे, तभी भीड़ का फावदा उठकर एक युवक मंच के पास पहुंचा और वहां रखी दान राशि से भरी थैली चुरा ली। यह पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

कथा के समापन के बाद जब दान थैली गायब मिली, तो आयोजकों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुंभराज थाना पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कुछ ही घंटों



में सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोर की पहचान की और उसे धरदबोचा। चोर की गिरफ्तारी के साथ ही चोरी गई रकम भी बरामद कर ली गई है। पुलिस ने बरामद राशि को कथावाचक पंडित भरतलाल शास्त्री को सौंप दिया। पुलिस जांच में पता चला कि पकड़ा गया युवक नशे का आदी है और पहले भी चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है। थाने से उसे न्यायालय में पेश किया गया है, जहां से उसे जेल भेजे जाने की संभावना है। इस त्वरित कार्रवाई पर कथावाचक पंडित शास्त्री ने पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी मुस्तैदी से श्रद्धालुओं का भरोसा मजबूत होता है और आयोजनों की गरिमा भी बनी रहती है। वहीं आयोजकों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुंभराज थाना पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कुछ ही घंटों

बिजली कर्मचारी पर हमला, ड्यूटी के दौरान मारपीट कर तोड़े उपकरण; 6 पर मामला दर्ज

गुना। जिले के बमोरी वितरण केंद्र के एक बिजली कर्मचारी के साथ ड्यूटी के दौरान मारपीट और गालीगलौज की घटना सामने आई है। घटना गत रात ग्राम पाटन के पास स्थित सब स्टेशन पर हुई, जहां ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी को कुछ लोगों ने बिजली लाइन चालू-बंद करने की बात को लेकर बेरहमी से पीटा और सब स्टेशन में लगे उपकरणों को भी नुकसान पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अजय लोधा (24), निवासी ग्राम धरवल्ला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि शाम 4 बजे से रात 12 बजे तक शिफ्ट में कार्यरत था। इसी दौरान अकुशल कर्मचारी मिन्जु अहिरवार द्वारा उसे फोन पर पाटन आबादी की बिजली लाइन चालू और बंद करने के निर्देश दिए गए, जिसे उसने पालन किया। करीब 7~30 बजे प्रताप भील, तोलसिंह भील, कालू भील निवासी पुरा लुधारी अपने दो अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचे और अजय से बहसबाजी करने लगे। उन्होंने सवाल किया कि बिजली लाइन किसने चालू-बंद की। जवाब मिलने पर सभी आरोपियों ने अजय को गालियाँ देना शुरू कर दी और मना करने पर लाठी-डंडों से मारपीट कर दी।

पुलिस की सख्त कार्यवाहियां: जानलेवा हमले के दो आरोपी गिरफ्तार, 7 साल से फरार वारंटी पकड़ा गया

गुना। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के निर्देशन में गुना जिले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और गंभीर आपराधिक प्रकरणों में तेजी से कार्रवाई की जा रही है। हाल ही में धरनावदा और जामनेर थाना पुलिस द्वारा दो अलग-अलग मामलों में की गई सक्रिय कार्यवाहियों से पुलिस की मुस्तैदी स्पष्ट नजर आ रही है। धरनावदा थाना क्षेत्र में 3 मई 25 को हुए एक प्राणघातक हमले के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों जुबेर खान और शानू उर्फ नईम खान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। यह घटना उस वक्त सामने आई थी जब फरियादी नौशेर खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके बेटे राजा खान पर लाठी, लुंहगी और गड़सी से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जिला अस्पताल में भर्ती हुआ। इस मामले में चार आरोपियों के विरुद्ध धाराएं 296, 115(2), 118(2),



351(3), 3(5) और 109 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा पूर्व में एक नाबालिग को भी बाल संप्रेषण गृह भेजा जा चुका है। अब शेष आरोपी शमी उल्ल खान की तलाश तेज कर दी गई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रभात कटोरे सहित टीम के अन्य सदस्यों की अहम भूमिका रही। वहीं दूसरी ओर, जामनेर थाना पुलिस ने मारपीट के एक सात वर्ष

पुराने प्रकरण में लंबे समय से फरार स्थाई वारंटी दीवान सिंह उर्फ दीमान सिंह पुत्र गोरलाल भील को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। वर्ष 2018 में दर्ज इस मामले में आरोपी के लगातार न्यायालय में अनुपस्थित रहने के कारण उसके विरुद्ध स्थाई वारंट जारी किया गया था। बीती रात मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी सुप्रेम सिंह कुशवाह और उनकी टीम ने उसे धर दबोचा।

दोनों मामलों में गुना पुलिस की तत्परता से साफ है कि जिले में अपराधियों के लिए अब कोई स्थान नहीं बचा है। एसपी अंकित सोनी के नेतृत्व में जिले की पुलिस अपराध नियंत्रण के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है।

युवा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मसी में सत्र 2025-26 की पीसीआई की मान्यता प्राप्त

गुना। जिले के प्रथम फार्मसी इंस्टीट्यूट में सन 2025-26 की फार्मसी काउंसिलिंग ऑफ इंडिया की मान्यता आई। जो विद्यार्थी के लिये काऊंसिलिंग में प्रवेश हेतु लाभावि्त होगी युवा इन्सीट्यूट फार्मसी शिक्षा के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं के समग्र विकास को लक्ष्य बनाते हुए एक नई पहल कर रहा है। इस इन्स्टीट्यूट का एक चार वर्षीय बैच इस समय पूर्ण हो चुका है जिसमें विद्यार्थी कंपस सिलेशन ले रहे हैं। युवा इन्सट्यूट ऑफ फार्मसी गुना के माध्यम से छात्रों को ना केवल प्रशिक्षित किया जा रहा है बल्कि उन्हें नामी कंपनियों एवं सरकारी नौकरी में अवसर मिल रहे हैं। इनके माध्यम से नियमित वर्कशॉप हेड ऑन प्रयोग सैमिनार और ट्रेनिंग सत्र आयोजित किये जाते हैं। जिनका उद्देश्य पूर्ण रूप से प्रायोगिक अनुभव देना है। साथ ही कोलेज का मानना है कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में सिर्फ आकादमिक ज्ञान पर्याप्त नहीं बल्कि विद्यार्थियों को संवार कोशल व्यक्ति विकास कम्प्यूटर ज्ञान और वास्तविक उद्योग अनुभव का भी विकास होना चाहिये इससे छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अवसरों के लिए तैयार होते हैं। युवा महाविद्यालय के चेयरमैन परीक्षित पाराशर का यह बिजन गुना जिले के युवाओं को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना है।

चरनाई भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत ग्रामीणों ने कलेक्टर से की कार्रवाई की मांग

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के कुंभराज थानांतर्गत ग्राम बांसाहेड़ा खुर्द के ग्रामीणों ने चरनाई भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामवासियों का कहना है कि गांव की सार्वजनिक गोचर (चरनाई) भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा कब्जा कर मवेशियों के चारे का संकट खड़ा किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए बताया कि गांव के ही बनवारी पुत्र मामीलाल माल जाटव, जो कि ग्राम जोहरापुरा माजरा का निवासी है, पहले एक स्थान पर चरनाई भूमि पर कब्जा करता है, फिर उसे छोड़कर दूसरी जगह जाकर दोबारा कब्जा कर लेता है और बाद में उक्त भूमि को बेच देता है। ग्रामीणों के अनुसार यह प्रक्रिया लंबे समय से चल रही है, जिससे चराई के लिए निर्धारित भूमि लगातार घट रही है।

इसके साथ ही ग्रामीणों ने अन्य



व्यक्तियों के नाम भी आरोपित करते हुए बताया कि बोरमा, हजारीलाल, बद्रीलाल, रंगलाल और फूलचंद, सभी पुत्र गढ़या जाटव द्वारा भी ग्राम बांसाहेड़ा खुर्द की गोचर भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। इन व्यक्तियों ने मिलकर लगभग 50 बीघा भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है, जिस पर गोशाला को, गोल् चंदेल को सचिव और धर्मंद चंदेल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी में सद्दाम भाई, विकास रजक, संजू सिंह गौर, शाहरुख खान, नन्नु लाल साहू और धनपाल जाटव को शामिल किया गया, जबकि दो पद रिक्त रखे गए हैं।

ई-रिवशा यूनियन की बैठक में पदाधिकारियों का चुनाव, 9 जुलाई की हड़ताल में शामिल होने का फैसला

गुना। ई-रिवशा चालक एकता यूनियन सीटू की बैठक विगत दिवस सीटू कार्यालय में आयोजित की गई। जिसमें संगठन की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई तथा 13 सदस्यीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। बैठक की अध्यक्षता टीपू सुल्तान ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कल्याण सिंह लोधी ने किया। बैठक को सीटू के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. विष्णु शर्मा, जिला महासचिव गिरिश कश्यप और मोहम्मद वसीम खान ने संबोधित करते हुए संगठन की

मजबूती और ई-रिवशा चालकों के अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। बैठक में उपस्थित चालकों की सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें टीपू सुल्तान को अध्यक्ष, रहीम भाई को उपाध्यक्ष, अमन ओझा को महासचिव, गोल् चंदेल को सचिव और धर्मंद चंदेल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी में सद्दाम भाई, विकास रजक, संजू सिंह गौर, शाहरुख खान, नन्नु लाल साहू और धनपाल जाटव को शामिल किया गया, जबकि दो पद रिक्त रखे गए हैं।

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के ग्राम ग्राम धरनावदा में स्थित भदौरिया कृषि फार्म में करंटयुक्त कुएं में मजदूरों को उतारने से हुई 5 जनों की दर्दनाक मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मृतकों के परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती आवेदन देकर इस पूरे घटनाक्रम के लिए फार्म मालिकों को दोषी ठहराते हुए उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, 24 जून को फार्म के एक पुराने कुएं में एक गाय गिर गई थी। यह जानते हुए भी कि पनडुब्बी मोटर के कारण कुएं में करंट फैल



रहा है, फार्म प्रबंधन ने मजदूर सोनू कुशवाह, मन्नु कुशवाह और पवन कुशवाह को गाय निकालने के लिए नीचे उतार दिया। करंट के कारण

सोनू और मन्नु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पवन को लोगों ने खटिया बांधकर निकाला, जिससे उसकी जान बच सकी। इसके बाद

फार्म प्रबंधन ने गांव से सिद्धार्थ सहरिया, शिवचरण साहू और गुरुदयाल ओझा को बुलाया और रस्सियों से बांधकर कुएं में उतार

दिया। इनमें से तीनों की भी करंट लगने से मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि फार्म मालिकों को पहले से पता था कि कुएं में करंट फैल रहा है, फिर भी उन्होंने मजदूरों को जानबूझकर खतरे में डालकर नीचे उतारा। हादसे के बाद भी किसी तरह की मदद नहीं की गई, बल्कि अफवाह फैलाई गई कि मौतें कुएं में गैस रिसाव से हुई हैं।

पवन कुशवाह, जो इस घटना में जीवित बचा है, उसका बयान इस बात की पुष्टि करता है कि मौतों का कारण कुएं में फैला करंट ही था। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि हादसे के बाद से अब तक दोषियों

के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे आक्रोश है। आवेदन में मांग की गई है कि इस घटना में लापरवाही नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से गैर इरादतन हत्या का मामला बनता है, इसलिए दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने कहा कि इस दर्दनाक हादसे से मृतकों के छोटे-छोटे बच्चे और परिजन पूरी तरह बेसहारा हो गए हैं, जिनकी पीड़ा की भरपाई असंभव है। न्याय की गुहार लगाते हुए परिजनों ने कहा कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता भी अपना सकते हैं।



मानसून का मौसम आ गया है। इस मौसम में घर की खूबसूरती बनाए रखने में सबसे अधिक परेशानी आती है। सबसे पहले तो इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि घर में ह्यूमिडिटी को कम से कम किया जा सके। दूसरे इस बात के चलते घर के इंटीरियल पर कोई खास असर न पड़े। यदि आप बारिश के मौसम का भरपूर लुक उठाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको घर में कुछ बदलाव करना जरूरी है। आइए जाने ये बदलाव कैसे करें।

हरी-भरी गली

इंडोर प्लांट्स के लिए मानसून सबसे अच्छा मौसम होता है। इस वक्त धूप कम होती है, इसलिए अपने सभी आउटडोर प्लांट्स को निकाल कर बारिश में

रख सकते हैं। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपके प्लांट्स हरे-भरे और आकर्षक लगेंगे।

फ्रेश वार्डरोब

मानसून में अच्छी धूप न मिल पाने के कारण कपड़े गीले रह जाते हैं। इस कारण से वार्डरोब में गीले कपड़ों की बदबू आने लगती है। आर्गोनिल के एयरफ्रेशनेस पैक्स, नैपथलीन, बाल्स, कपूर, नीम की पत्तियां और लांस का उपयोग इस स्मेल, बैक्टीरिया और फंगस से बचा जा सकता है।

कारपेट एवं रग्ग्स

मानसून में सबसे ज्यादा परेशानी अपने कारपेट्स और रग्ग्स को संभालने में होती है। कारपेट और

बारिश के मौसम में मकान को खूबसूरत रखना बड़ा कठिन है। कहीं कोई सामान भीग रहा है तो कहीं फर्नीचर खराब हो रहा है। अगर इन सबसे बचना है तो थोड़ी सी सावधानियां रखकर इनसे बचा जा सकता है।

बरसात में बनाएं घर को खूबसूरत

चांदी के सामान

चांदी को सर्वाधिक नुकसान अक्सिडाइजेशन से होता है, जो बारिश के मौसम में होता है। नमी और हवा में मौजूद आक्सीजन दोनों मिलकर चांदी को काला बना देते हैं। इन्हें बचाने के लिए ज्यूलरी और बर्तनों को काटन फैब्रिक और पेपर में लपेट कर रख सकते हैं।

टच वुड

मानसून का असर वुडेन फ्लोरिंग पर भी देखने को मिलता है। एक तो ह्यूमिडिटी और दूसरे गीले कारपेट व मेट, दोनों मिलकर वुडेन फ्लोरिंग, किचन वुड शेल्फ को जल्दी खराब कर सकते हैं। अधिक नमी होने से लकड़ी भीगकर टूटने-मुड़ने लगती है। इसके लिए मानसून से पहले इन्हें वैक्स कोटिंग करा लेना चाहिए।

इलेक्ट्रानिक गैजेट्स

मानसून के मौसम में कैमरा लेंस, कम्प्यूटर मॉनिटर, एलसीडी टेलीविजन में फंगस लग जाती है। कैमरा केस में नमी को कंट्रोल करने के लिए उसमें सिलिकन बेग रखे जा सकते हैं। कंप्यूटर मॉनिटर और एलसीडी टेलीविजन के आसपास नमी पैदा करने वाली चीजों जैसे कूलर को दूर रखना चाहिए। क्लीनिंग के वैक्यूम क्लीनर का उपयोग बेहतर विकल्प है।

▶ बाथरूम में पानी की टपकने या कहीं-कहीं पानी जमने से बने भूरे धब्बों को नमक और सिरके की बराबर मात्र के मिश्रण से दूर किया जा सकता है। टब, बाल्टी या पानी भरने के दूसरे बर्तन में भी यदि सफेदी जमा हो गई हो तो इसी विधि को उन पर भी आजमा सकते हैं।



साफ-सफाई के बेहतर टिप्स

बरसात के मौसम घर में अनेक वस्तुओं की साफ-सफाई करनी पड़ती है। इसके लिए ये टिप्स आपके लिए काफी मददगार साबित होंगे।

- ▶ अगर कपड़े की झाड़न पर गर्द कुछ ज्यादा हो गई हो और सफाई में दिक्कत आ रही हो तो हाथों को थोड़ा गीला कर कपड़े पर फिरा दें फिर जल्दी से उसे ब्रश से झाड़ डालें नमी की वजह से कपड़े की पूरी गर्द आसानी से उतर जाएगी।
- ▶ रजाई-तकिए के कवर धोकर आखिरी बार खंगालते समय पानी में थोड़ा सिरका मिला दीजिए। अब देखिए चमत्कार, सिरके के अम्ल से कपड़ों से साबुन का क्षार फौरन उतर जाएगा। इससे कवर का कपड़ा भी मुलायम हो जाएगा।
- ▶ रजाई के कवर को आसानी से चढ़ाने के लिए धोने के बाद उलटा सुखा दें। उलटे कवर के अंदर रजाई के दोनों कोने झलकर गोल-गोल लपेटते जाएं। जब रजाई पूरी गोल हो जाए तो नीचे वाला सिरा खींच लें। रजाई के दोनों कोनों को पकड़ लें और साथ-साथ उठाकर दो तीन बार झटक दें। उलटा हुआ कवर सीधा होकर रजाई पर आसानी से सीधा होकर चढ़ जाएगा।
- ▶ आपके यहां इस्टबिन मेटल का है तो आप उसके अंदर से आने वाली बदबू से जरूर परेशान हो सकते हैं। इसका आसान सा इलाज है। मेटल के कूड़ेदान की बदबू खत्म करने के लिए उसमें पुराने अखबार डाल कर आग लगा दें। आग समस्या का समाधान कर देगी।
- ▶ टॉयलेट में बहुत बदबू आ रही हो तो थोड़ी देर के लिए इसे हटाने के लिए माचिस की तीली जला देना भर काफी है।
- ▶ आपके घर भी यदि खारा पानी आता है और आपके बाथरूम में हर चीज इसकी वजह से सफेद हो गई है तो आप इन सभी को पैराफिन से साफ कर सकते हैं। इससे बाथरूम का फर्श, बाथ टब और टॉयटॉय और वाशबेसिन साफ हो जाते हैं। इन पर जमे साबुन की चिकनाई और भी मैल साफ हो जाता है और पैराफिन से इनकी ब्रशिंग भी लौट आती है।



आजकल लड़कियां बॉलीवुड और हॉलीवुड की नकल तेजी से कर रही हैं। हॉलीवुड में चर्चित ड्रेड ड्रेसेज का चलन इंडिया में भी तेजी से बढ़ रहा है। किसी खास पार्टी में इस तरह की ड्रेस पहने कोई न कोई दिख ही जाएगा। इन दिनों लड़कियों को ड्रेड ड्रेस खूब भा रहा है। गाउन से मिलती-जुलती ड्रेड ड्रेस बिल्कुल लेटेस्ट फैशन है।

ड्रेड ड्रेसेज सिलेब्रिटीज की खास पसंद

क्या है ड्रेड ड्रेस

जैसा कि इसके नाम से ही लग रहा है कि यह कोई ऐसा ड्रेस है जो लपेटा हुआ होता है। यदि आप इस ड्रेस को देखें तो ऐसा लगेगा कि किसी ने टॉवेल या बेडशीट लपेट लिया हो, लेकिन ऐसा नहीं है। यह एक पूरा का पूरा ड्रेस है। अपने देश में इसका चलन अभी शुरूआती दौर में हैं, लेकिन विदेशों में यह खूब पसंद किया जा रहा है। रिएलिटी शो बिग बॉस में हॉलीवुड एक्टर्स पामेला एंडरसन ने इस ड्रेस को पहन कर लोगों को ड्रेड ड्रेस से रूबरू कराया था। अधिकांश लोग तो समझ ही नहीं पाए थे कि टॉवेल जैसी दिखने वाली यह ड्रेस आखिर में है क्या? क्या पॉमेलाने कोई कपड़ा लपेटा है या यह कोई खास ड्रेस है। फैशन डिजाइनर मानते हैं कि ड्रेड ड्रेस फिटेड हो या लूज, अगर इसे अच्छे से फेरी करेंगी, तो वह खूब फबेगी। ड्रेड ड्रेसेस को अभी तक बड़े महानगरों में ही पार्टियों में पहने देखा गया है।

स्टाइल व पैटर्न

गाउन जैसा दिखने वाला ड्रेड ड्रेस फैशन में लेटेस्ट ट्रेंड है। इस ड्रेस में सिलुएट्स व नॉट्स पैटर्न को खूब यूज किया जाता है। ड्रेड ड्रेस को लूज ड्रेस माना जाता है, लेकिन डिफरेंट स्टाइल के कारण पतली लड़कियों को भी खूब पसंद आता है। कभी-कभार पहने जाने वाला यह ड्रेस काफी बोल्ड व सेक्सी लुक देती है।

अलग-अलग है वैरायटी

अगर ड्रेड ड्रेस की बात करें, तो यह कई वैरायटी में उपलब्ध हैं। आप इसे शॉर्ट, लॉन्ग, फिटेड व लूज पैटर्न में डिजाइन करवा सकती हैं। वैसे, यह इटैलियन ड्रेस है, जो काफी हद तक जंप सूट से मिलती-जुलती है। इस ड्रेस की खूबी है कि इसे 20 से लेकर 40 साल तक की महिलाएं बड़ी

किराए का घर और साज-सज्जा

कई लोग जो किराये के घर में रहते हैं, उनके लिए घर की सजावट को लेकर कई समस्याएं होती हैं। विशेषकर उन लोगों के लिए, जिनका तबादला बार-बार होता रहता है। उनके लिए फर्नीचर भी ऐसा होना चाहिए, जिससे जगह बदलने पर मुश्किल न हो। जो लोग किराए के घरों में रहते हैं, वे अपना घर कैसे सजाएं? हम यहां किराए के घर में रहने वालों के लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं।



- ◆ फर्नीचर हल्के बनवाएं। सोफे की जगह केन, रॉट आयरन-वुड कॉम्बीनेशन, मेकेनाइज्ड फर्नीचर या गद्दों का इस्तेमाल करें। ये फर्नीचर जल्दी नहीं टूटते हैं।
- ◆ अगर आप सोफा बनवाना चाहती हैं, तो गद्दी अलग रखवाएं।
- ◆ स्थानांतरण में इस्तेमाल होने वाले बड़े बॉक्स के ऊपर गद्दा डाल कर सेटी या मेज का काम ले सकती हैं।
- ◆ दीवारों पर न्यूट्रल रंग करवाएं, जो हर फर्नीचर के साथ अच्छा लगेगा।
- ◆ रोशनी के लिए टेबल लैंप या स्टैंडिंग लैंप लगवाएं। स्थायी व्यवस्था ना करें।
- ◆ घर में परदों का बहुत महत्व होता है। किराए के घर में अनेक बदरंगी दीवारों, अलमारियों आदि को ढंकने के लिए खूबसूरत परदे लगाएं।
- ◆ परदे खूबसूरत, शालीन व ऐसे रंगों के लें, जो आप घर बदलने पर भी इस्तेमाल कर सकें।
- ◆ फोल्डिंग डाइनिंग टेबल बहुउपयोगी होती है। इसे आप किसी भी कमरे में रख सकती हैं। यह जगह भी कम घेरेगी।
- ◆ घर के अंदर सिल्क प्लांट का इस्तेमाल करें। ये नकली प्लांट बेहद खूबसूरत, टिकाऊ और इस्तेमाल में आसान होते हैं।
- ◆ बेड व सेटी में स्टोरेज बनवाएं, ताकि सामान ले जाते समय दिक्कत न हो।
- ◆ किराए के घर में महंगे, भारी-भरकम फर्नीचर रखने का मोह छोड़ें।
- ◆ अगर कमरे बड़े हैं, तो दो या तीन सिटिंग अरेंजमेंट कर सकती हैं।
- ◆ घर जमाते समय समान की लिस्ट बना लें कि आपके पास क्या-क्या है और कौन-सी चीज आपने अटारी में रखी है।



हेयर स्पा या केराटिन ट्रीटमेंट क्या बेहतर है आपके बालों के लिए

आज के वक्त में हर कोई डैमेज हेयर की वजह से परेशान है। इसे लेकर कई तरह के घरेलू उपाय भी अपनाएं जाते हैं। लेकिन बालों को वो पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। इससे बालों में चमक को बरकरार रखने के लिए काफी जद्दोजहद करना पड़ती है। वहीं कई लोग आखिरी में अपने बालों के सही पोषण के लिए पार्लर जाना पसंद करते हैं। लेकिन वे समझ नहीं पाते हैं कि हेयर स्पा बेस्ट है या केराटिन ट्रीटमेंट। आइए बताते हैं आपके हेयर के लिए क्या बेस्ट है- क्या होता है केराटिन ट्रीटमेंट- केराटिन ट्रीटमेंट बालों को पोषक तत्वों को पूरा करता है। इसकी कमी से बाल बेजान, डैमेज होने लगते हैं। हालांकि अलग-अलग बालों के टाइप के अनुसार इसे लगाया जाता है। अगर आपके बाल बहुत अधिक डैमेज हो रहे हैं तो आपको केरेटिन का इस्तेमाल करना चाहिए। इसका असर करीब 4-5 महीने तक रहता है। इस दौरान आपको बालो का प्रॉपर ध्यान रखना होगा। 5 महीने बाद आपको वापस यही ट्रिटमेंट लेना होता है।

हेयर स्पा- हेयर स्पा बालों की बेहतरी के लिए होता है। इसका असर कुछ ही समय तक के लिए रहता है। अगर आपके बालों में डस्ट हो रही हो या बहुत ज्यादा रुखें हो रहे हैं तो आप हेयर स्पा ले सकते हैं। इससे आपके बाल फिर से मुलायम और बाउंसी हो जाएंगे। हेयर स्पा से आपके बालों में डीप कंडिशनिंग की जाती है, हालांकि इसमें बहुत अधिक प्रोटीन नहीं होता है। इसका असर अधिकतम 20 दिनों तक रहता है। इसलिए बालों को कंडिशनिंग करने के लिहाज से आप हेयर स्पा का चयन कर सकते हैं। अब आप समझ गए होंगे कि आप अपने बालों के लिए क्या पसंद करते हैं। हेयर स्पा या केराटिन ट्रीटमेंट। केरेटिन आपके बालों को पोषक तत्व देगा और हेयर स्पा पोर्स के अंदर डीप कंडिशनिंग करता है।



सरदार जी 3 विवाद पर आदित्य नारायण ने रखी राय

सिम्गर आदित्य नारायण ने दिलजीत दोसांडा और उनकी फिल्म सरदार जी 3 के वल रहे विवाद पर अपनी राय दी है। आदित्य ने कहा कि भारत एक सहनशील देश है, लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है। आदित्य ने कहा, मुझे नहीं पता मैं क्या कहूँ या ना कहूँ। मैं देशभक्त हूँ। मेरे लिए हमेशा देश पहले है। सामने वाला देश (पाकिस्तान) ... ये उनकी आदत है (आतंकवाद को समर्थन देने की)। हम भारतीय प्यार और एकता का संदेश फैलाते हैं। हम वसुधैव कुटुम्बकम् में भरोसा करते हैं, लेकिन हम कब तक सहन करें? जो गलत है वो गलत है। समय सही नहीं है। अत्याचार हर भारतीय के दिमाग में ताजा है।

आदित्य ने आगे कहा, हमेशा कोशिश की कि दोनों देशों को करीब लाने, चाहे खेल हो, म्यूजिक या फिल्म। पर सामने वाले की भी जिम्मेदारी होती है। ताली दोनों हाथ से बजती है। अब वह है कि हम देश के लिए स्टैंड ले। बहुत हो गया। थोड़ा सा सामने वाले से प्यार मिले तो हम सोचें। अब हमें भी प्यार चाहिए। आदित्य बोले— रिश्ते कभी अच्छे ही नहीं थे आदित्य ने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि दिलजीत दोसांडा का फैसला सही है या गलत। उन्होंने कहा, जब इसकी कार्टिंग हुई होगी तब रिश्ते इतने खराब नहीं थे, लेकिन अगर देखें तो रिश्ते कभी अच्छे थे ही नहीं। हालात जटिल हैं, लेकिन देश पहले है। यही मेरा देश है। यही मेरी धरती है।

आदित्य बोले— मैं देश को पहले रखता और उम्मीद नहीं करता जब आदित्य से पूछा गया अगर वो दिलजीत की जगह होते, तो क्या करते? तो आदित्य बोले, मैं देश को पहले रखता। मैं किसी से कुछ उम्मीद नहीं करता। मैं उनके काम पर कुछ नहीं कहूँगा, लेकिन अगर मैं होता तो देश पहले रखता। हर भारतीय ऐसा करेगा। हम इंडिया से प्यार करते हैं। इंडिया में रहने वाले लोग इंडिया से प्यार करते हैं। इंडिया में ना रहने वाले भी इंडिया से प्यार करते हैं। हमारा देश इतना प्यारा है, हमारे साथ ऐसा क्यों किया जाता है? आदित्य ने आगे ये भी कहा, बस सुधार चाहिए। ये बहुत सेंसिटिव टॉपिक है। हर बात इंटरनेट पर टोल होती है, लेकिन यही मेरी सोच है। हम हमेशा मेहनान नवाज और सहयोगी रहे हैं। अभी भी है। प्यार हमारा संदेश है, लेकिन सहनशीलता की भी सीमा है।



दीपिका पादुकोण ने की ब्रैड पिट की फिल्म एफ1 की प्रशंसा

ब्रैड पिट हॉलीवुड फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में अभिनेता की फिल्म एफ1 भारतीय सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। साथ ही फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया भी मिल रही है। इसी कड़ी में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ने ब्रैड पिट की तारीफ की है और एक पोस्ट शेयर किया है। आइए जानते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा।

क्या बोली दीपिका पादुकोण?

ब्रैड पिट अभिनेता एफ 1 27 जून को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह एक रेसिंग फिल्म है, जिसे स्पोर्ट्स प्रेमी पसंद कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्हें ब्रैड पिट की फिल्म की प्रशंसा करते देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने लिखा कि शानदार ब्रैड पिट, क्या फिल्म है। हालांकि, आपको बताते चलें कि ये पोस्ट दीपिका पादुकोण ने कुछ अलग अंदाज में किया है।

एफ 1 फिल्म के बारे में

जोसेफ कोसिंस्की द्वारा निर्देशित एफ1 में ब्रैड पिट के साथ डैमन इंदरीस प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में मैक्स वर्स्टेपेन, फर्नांडो अलोसो, लुईस हैमिल्टन, कार्लोस सैन्ज, एस्टेबन ओकन, जॉर्ज रसेल, लास स्ट्रोल, लैंडो नोरीस और चार्ल्स लेक्लेर खड़े कई रियल लाइफ के फॉर्मूला 1 सितारे इस फिल्म में कैमियो करते नजर आए हैं।

दीपिका पादुकोण का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री ने कई शानदार फिल्मों दी हैं, जिनमें पद्मावत, बाजिरव मस्तानी जैसी फिल्में शामिल हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार सिंघम अगेन में देखा गया था। इसके अलावा एक्ट्रेस की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म में देखा जाएगा। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण एक्शन अवतार में दिखेंगी, जिनके साथ अल्लु अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं रुही सिंह

एक्ट्रेस रुही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने आईएनएस से बात करते हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जाधेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जाधेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही है।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छे तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूँ। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं। उनसे पूछ कि जब उन्हें यह फिल्म ऑफर हुई तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे मस्ती 4 का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ रैंड मस्ती देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हस रहे थे। कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग एकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हसमुख हूँ। मैं जानती हूँ कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूँ। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूँ, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूँ ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूँ।



10 साल बाद फिर से डायरेक्टर की कमान संभालेंगे एक्टर एसजे सूर्या

साउथ इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता और निर्देशक एसजे सूर्या एक दशक बाद निर्देशक की कुर्सी पर फिर से लौटने जा रहे हैं। साल 2015 में फिल्म 'इसाई' के जरिए निर्देशन करने वाले सूर्या अब अपनी अगली फिल्म 'किलर' के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसे उन्होंने अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है। इस खबर के सामने आते ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं और दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

फिल्म 'किलर' के साथ करेंगे वापसी

एसजे सूर्या की ये नई फिल्म 'किलर' मलयालम की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी श्री गोकुलम मूवीज और एसजे सूर्या की एजेंट स्टूडियोज के बैनर तले बनाई जा रही है। सूर्या ने खुद सोशल मीडिया पर इसका ऐलान करते हुए लिखा कि यह फिल्म उनके दिल के बेहद करीब है और इसके लिए उन्होंने निर्माता गोकुलम गोपालन का आभार व्यक्त किया। सूर्या ने साथ में फिल्म से जुड़े कुछ फोटोज भी शेयर किए, जिसमें वो गोकुलम गोपालन के साथ नजर आ रहे हैं। एक खास बात ये भी रही कि उन्होंने फिल्म में एक्ट्रेस प्रीति असनारी को क्लिर गर्ल बताते हुए उनके किरदार को लेकर सस्पेंस भी बढ़ा दिया।

सेलेब्स की बधाईयों की लगी लाइन

एसजे सूर्या की डायरेक्टोरियल वापसी पर साउथ के तमाम बड़े स्टार्स ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। राघव लॉरेन्स ने लिखा, 'आपके निर्देशन में वापसी की खबर सुनकर खुशी हुई। आप निर्देशक से बढ़कर एक जाबरदस्त एक्टर भी हैं। उम्मीद करता हूँ ये फिल्म आपको एक हीरो के तौर पर भी बड़ी सफलता दिलाए।' वहीं, धनुष ने भी उन्हें सापेक्ष करते हुए लिखा, 'आप इस प्रोजेक्ट को लेकर जितने पेशनेट हैं, वो मैं जानता हूँ। आपकी इस फिल्म के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। ऑल द बेस्ट।' सिलबरसन टीआर ने सूर्या को एक बेहतरीन स्टोरीटेलर बताया और उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। इस बीच एक और खबर ने फैन्स की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है। एसजे सूर्या और एक्टर रवि मोहन पहली बार साथ काम करने जा रहे हैं फिल्म 'ब्रो कॉर्ड' में, जिसे डायरेक्ट कर रहे हैं कार्तिक योगी। कार्तिक योगी इससे पहले डिवीलुना और वडक्कुपुडी रामासामी जैसी फिल्मों से पहचान बना चुके हैं। फिल्म को रवि मोहन अपने प्रोडक्शन हाउस रवि मोहन स्टूडियोज के तहत प्रोड्यूस करेंगे। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

सूर्या की वापसी को लेकर फैस उत्साहित

एसजे सूर्या की गिनती उन सितारों में होती है जो अभिनय और निर्देशन दोनों में माहिर हैं। उनकी फिल्मों में कहानी, अभिनय और निर्देशन का जाबरदस्त मेल होता है। ऐसे में 'किलर' से उनकी वापसी दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।



टिपिकल बहू-बीवी वाले कई रोल ठुकराए

अपने पहले ही टीवी शो जस्सी जैसी कोई नहीं से हर दिल में घर बनाने वाली एक्ट्रेस मोना सिंह ने अपने दो दशक लंबे करियर में टीवी, फिल्म, ओटीटी हर जगह अपनी छाप छोड़ी है। बीते दिनों लाल सिंह चड्ढा, काला पानी और मेड इन हैवन में सशक्त अदाकारी के लिए सराहनी गईं मोना इन दिनों वेब सीरीज मिस्त्री में एसीपी सहमत सिद्धीकर्मी के रोल में नजर आ रही हैं।

मोना बताती हैं, जब मैंने टीवी से शुरुआत की थी, तो मुझे भी वो टिपिकल बहू-बीवी वाले रोल बहुत ऑफर हुए थे, पर मैंने वो कभी नहीं किए। मुझे शुरू से पता था कि मुझे क्या नहीं करना है, तो मैंने काफी सारे शोज मना किए, क्योंकि मुझे नहीं बनना पड़े पर बेवारी। मुझे नहीं चाहिए कि कोई आए और मुझे बचाए। हम खुद अपने को बचाते हैं, खुद अपना ध्यान रखते हैं, तो मुझे किरदार भी वैसे ही करने थे और अब ओटीटी पर वही हो रहा है। ये एक नया दौर चालू हुआ है, जहां फीमेल किरदारों को ज्यादा निडर, आत्मविश्वास से भरा, कामकाजी बनाया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि आप या तो वैप हैं या हीरोइन हैं तो आपकी जिंदगी बर्बाद है। अब ऐसे रोल गढ़े जा रहे हैं, जिसमें एक औरत के बहुत

सारे शेंडस दिख रहे हैं, जो काफी हद तक पुराने स्टैरियोटाइप्स को तोड़ रहे हैं, इसलिए बतौर एक्टर मुझे बहुत मजा आ रहा है।

फौजी की बेटा हूँ, डरना नहीं सीखा

मोना अपने आत्मविश्वास भरे निडर व्यक्तित्व का श्रेय अपने माता-पिता और फौजी बैकग्राउंड को देती हैं। बचपन मोना, मैं फौजी बैकग्राउंड से हूँ। मेरी मां हमेशा एक वर्किंग वुमन रही हैं। एक आत्मविश्वास से भरी और निडर इंसान। मुझसे कभी किसी ने ये नहीं बोला कि तुम किसी से कम हो, तुम लड़की हो, तो ऐसे मत करो। ये मत पहनो। ऐसे मत हसो। मुझे याद है कि जब मैंने अपने पैरेंट्स को बोला था कि मुझे मुंबई जाकर एक्टर बनना है तो उन्होंने तुरंत हां कर दी थी कि तुम अपने सपने जरूर पूरे करो, क्योंकि हमें कल को ये नहीं सुनना कि पैरेंट्स की वजह से बच्चों ने अपने सपने पूरे नहीं किए, तो मुझमें ये आत्मविश्वास मेरी मां से आया है। दूसरे, हम पंजाबी हैं और पंजाब में ज्यादातर जोरतें आत्मविश्वासी और निडर होती हैं। हम पंजाबी में जब एक दूसरे को विश भी करते हैं तो बोलते हैं कि कइदी कला में रहो यानी जो भी हो जाए, अपनी जिंदादिली और जज्बा ऊंचा रखो। जो भी तूफान आये, देख लेगे।

लाल सिंह चड्ढा का किरदार था मुश्किल

अपने 22 साल लंबे करियर में मोना ने टीवी, फिल्म, ओटीटी हर माध्यम में विविधरंगी किरदार किए हैं। सबसे मुश्किल रोल कौन सा था? यह पूछने पर वह कहती हैं, मेरे लिए जस्सी बहुत ही चैलेंजिंग रोल रहा था, क्योंकि उनका लुक वैसा था, पर आपको रिखल लगना है। लोगों को यकीन दिलाना है कि वह आपके बीच की लड़की है। इसके अलावा, लाल सिंह चड्ढा का किरदार मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग था। उसमें मुझे 20 साल से लेकर 40 साल और फिर 60 साल की लेंडी दिखना था, वो 60 साल की उम्र के लिए मैं अपने पैरेंट्स को देख रही थी। उनकी बॉडी लैंग्वेज ऑब्जर्व कर रही थी, क्योंकि बोलने, चलने का तरीका बदल जाता है, सब रस्ते हो जाता है। फिर, मुझे अपना वजन भी बहुत कम-ज्यादा करना था कि 20 साल की उम्र में पतली, 40 में थोड़ी तगड़ी, फिर 60 की उम्र में बहुत कमजोर और बीमार, तो फिजिकली भी बहुत डिमांडिंग रोल था।

सालों से था रेस्त्रां खोलने का सपना

हाल ही में मोना ने रेस्त्रां खोलकर फूड बिजनेस की ओर रुख किया है। उस ओर कैसे रुझान गया? इस बारे में वह बताती हैं, कई सालों से मन था, क्योंकि हमारे पंजाबी घरों में तो उठते ही खाने की बात होती

है। हम सब खाने के बहुत शौकीन हैं। खाना पकाना, खाना खिलाना, पार्टी रखना हमें बहुत पसंद है, तो मैं हमेशा से चाहती थी कि अपना एक छोटा सा कैफे हो। उसमें म्यूजिक चले, लाइवरी हो, फिर वो कैफे से रेस्त्रां हो गया और फिरमन से इस साल यह सपना सब हो गया। हमने उसमें इंडियन फूड रखा है, जो कभी फैशन से आउट नहीं होगा। साथ ही एक नोस्टैल्जिया क्रिएट करने की कोशिश की है कि जो खाना हमने बचपन में खाया था, जब पापा आमी में थे, अलग-अलग जगहों पर उनकी पॉस्टिंग होती थी, जैसे दार्जिलिंग के मोमो, हिमाचल का सिन्धु ऐसी चीजें रखी हैं।

पर्दे पर पहली बार बनी पुलिसवाली

अपनी वेब सीरीज मिस्त्री की एसीपी सहमत सिद्धीकर्मी की किन खूबियों पर मोना का दिल आया? इस पर उनका कहना था, मैंने पुलिसवाली का रोल कभी नहीं किया था। मैं 22 से इस इंडस्ट्री में मैं हूँ, मगर कॉप का रोल पहली बार किया, तो यूनिफॉर्म पहनकर बहुत मजा आया। मिस्त्री अमेरिकन शो मॉन्क का एडिशन है, जो 90 के दशक में हम सबने देखा है। मैं उसकी बहुत बड़ी फैन हूँ, तो जब मुझे यह ऑफर हुआ तो मैं बहुत खुश थी, क्योंकि हमारे यहां ऐसी फीमेल कॉप के रोल बहुत कम बनते हैं, जिनमें थोड़ी हल्की-फुल्की कॉमिडी हो, थोड़ा द्रामा भी हो। मुझे ये सब करने में बहुत मजा आता है, क्योंकि ओटीटी पर मैंने इतने सारे इंटेंस और सीरियस रोल्स कर लिए हैं कि सहमत जैसी शांत और सबकुछ आराम से करने वाली कॉपी का किरदार मुझे बहुत पसंद आया।

शिकायत कर्ता के खेत में पंचायत की तरफ से डबरी नहीं खुदवाई, उसी के भाई पप्पू ने उसी के खेत में खुदवाई है। ना तो पंचायत से पैसा निकलवाया, न ही डबरी खुदवाई, पटवारी मौका देख गए हैं, शिकायत कर्ता का नंबर नहीं निकल रहा कल वे पंचनामा भी दे रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

घूमनेनिकले दोरस्तों की बाइक टकराने से एक की मौत, तीन घायल

इंदौर। रैस लगा रहे चार स्टूडेंट की दो बाइक आपस में टकरा गईं, जिससे एक स्टूडेंट की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। स्टूडेंट रात में बाइक से घूमने निकले थे और बाद में आपस में रैस लगाने लगे। बाइक टकराने से वे सड़क पर गिर गए थे। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटना मेरोद इलाके की है। टीआई देवेन्द्र मरकाम ने बताया कि बुधवार रात लगभग 3 बजे खडवा नाका निवासी अशोक पुत्र हरचंद सोलंकी अपनी बाइक से घूमने निकला था। उसके साथ ग्राम चाचरिया निवासी गोविंद पुत्र जगदीश बडोल, गोकुल पुत्र भाईसिंह बघेल और मोतीलाल पुत्र रामा बरडे भी थे। दो बाइक पर सवार युवकों ने रैस लगा दी और दोनों बाइक आपस में टकरा गईं। हादसे में अशोक सोलंकी गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अन्य तीन युवकों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आबकारी विभाग की अनदेखी से ऑंकारेश्वर के आसपास बिक रही शराब

ऑंकारेश्वर। पवित्र तीर्थ स्थल ऑंकारेश्वर के आसपास तीर्थ नगरी के आम मार्ग, ग्रामों में आबकारी विभाग की अनदेखी से ढाबों, किराना दुकान पर खुलेआम देसी, विदेशी शराब परासी एवं बिक्री की जा रही है। कुछ शराब दुकानों पर खुलेआम मांस एवं अंडे की बिक्री भी धड़ल्ले से की जा रही है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने तीर्थ नगरी एवं नर्मदा तट पर शराब बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंध की है। इसके बावजूद शराब ठेकेदार और आबकारी विभाग खंडवा आपसी लेनदेन कर यहां शराब बिक्री करवा रहा है। सूत्रों का कहना है कि तीर्थ नगरी के नजदीक होने से इन गांव में प्रतिदिन लाखों रुपए की शराब बेची जा रही है। वरिष्ठ समाजसेवी प्रदीप ठाकुर, मिश्रीलाल कोरे, राष्ट्रीय हिंदू महासभा भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहन सिंह राणा सहित अनेक लोगों ने शिकायत भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। राष्ट्रीय हिंदू महासभा एवं ऑंकारेश्वर संघर्ष समिति के अलावा आसपास क्षेत्र की महिलाओं ने बताया कि शराब जैसी बुराई से कहीं घर बर्बाद हो रहे हैं। अनेक युवाओं ने नशे की लत में अपनी जान तक गवा दी तो वही अपराधी घटनाएं भी लगातार बढ़ती जा रही है। समय रहते जिला प्रशासन को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। राष्ट्रीय हिंदू महासभा भारत की खंवा जिला प्रमुख संगीता सोलंकी ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगना चाहिए। मांधाता थाना क्षेत्र में अहातों के साथ ही ढाबों पर खुलेआम शराब का कारोबार चल रहा है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि ऑंकारेश्वर पवित्र नगरी घोषित होने के बाद से ही आसपास के क्षेत्र में शराब का कारोबार भारी मात्रा में फल फूल रहा है। ऑंकारेश्वर दर्शन के लिए हजारों तीर्थ यात्री आते हैं, मगर उन्हें इन सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, अब देखना है कि क्या पवित्र श्रावण मास के पर्व पर भी ऐसा सब कुछ चलता रहेगा या आबकारी विभाग कोई कार्रवाई कर पाएगा। मामले में अनेक मर्तबा जिला आबकारी विभाग खंडवा से मोबाइल पर चर्चा करनी चाहिए मगर वे पर फोन ही नहीं उठाते।

- दिन के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट, अभी तीन-चार दिन तेज बारिश के आसार नहीं

इंदौर में हल्की बारिश, धूप और बादलों का मिलाजुला मौसम

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में जुलाई के दूसरे दिन भी बारिश और धूप का मिलाजुला असर रहा। सुबह रिमझिम, दोपहर को धूप और शाम को बादल छाए रहे। इस दौरान दिन के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट आई। रात के तापमान में भी हल्का इजाफा हुआ है। दिन का तापमान 29.4 (-3) डिग्री और रात का 23.8 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया है। गुरुवार सुबह से धूप खिली है और बीच-बीच में हल्के बादल भी छा रहे हैं। इंदौर में लगातार दूसरे साल की जुलाई है जब बारिश के लिहाज से माह की शुरुआत अच्छी नहीं हुई है। हालांकि अभी पूरा माह बाकी है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में किसी भी



जुलाई और अगस्त के साथ सितंबर में भी जमकर बारिश

बारिश के लिहाज से जुलाई और अगस्त सबसे महत्वपूर्ण रहते हैं। इन महीनों में ही अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से सबसे ज्यादा सिस्टम एक्टिव होकर बरसते हैं। वैसे इंदौर की औसत बारिश 37 इंच है, लेकिन अब कम से कम 40 इंच पानी चाहिए, जिससे बोरिंग अगले साल मार्च-अप्रैल तक साथ दे पाएंगे। हालांकि पिछले 3 साल में जुलाई बहुत पानीदार नहीं रहा है। इसकी भरपाई अगस्त-सितंबर में होती है।

तरह की मानसूनी गतिविधि नहीं होने व जो सिस्टम सक्रिय था, उसके भी कमजोर पड़ने से अगले 3-4 दिन तेज बारिश के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। यही कारण है कि लगातार दो दिन से हल्की धूप निकल रही है। धूप निकलने, उमस होने से शहर के कुछ हिस्से में लोकल सिस्टम बनने से 5-10 मिनट की हलकी बारिश होती रहेगी। पिछले साल भी 15 जुलाई के बाद ही मानसून ने रफ्तार पकड़ी थी। पूरे माह में 9.9 इंच पानी बरसा था। जून से अब तक शहर में कुल 5.2 इंच कुल बारिश हुई है। जुलाई में औसत 12 इंच पानी गिरता है। पिछले तीन सालों को छोड़ दें तो इस माह में औसत से ज्यादा बारिश हुई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं एसपी ने ग्रामीण थाना क्षेत्रों का लिया जायजा

कानून व्यवस्था की गहराई से समीक्षा, पुलिसिंग की गुणवत्ता एवं जनविश्वास पर विशेष जोर

सत्ता सुधार ■ उज्जैन

उज्जैन रेंज के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं जिला उज्जैन पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कानून व्यवस्था की स्थिति की वस्तुनिष्ठ समीक्षा करना, पुलिस बल की कार्यप्रणाली को परखना एवं जनता के बीच पुलिसिंग को अधिक पारदर्शी, प्रभावशाली और उत्तरदायी बनाना था।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा संबंधित थाना परिसरों की व्यवस्था का व्यापक अवलोकन किया गया। इसमें अपराध रजिस्टर, गिरफ्तारी व जमानत अभिलेख, मालखाना, शस्त्र अनुशासन, स्टेशन डायरी, महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली एवं लंबित मामलों की प्रगति जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की गहन जांच की गई। अधिकारियों ने थानों में उपस्थित



पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए उन्हें जनहित में

कार्य करने, पीड़ित केंद्रित पुलिसिंग को बढ़ावा देने और आम नागरिकों के साथ संवेदनशील व्यवहार रखने के निर्देश दिए। वीट प्रणाली को मजबूत करते हुए निगरानी बदमाशों एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

अवैध गतिविधियों, मादक पदार्थों की तस्करी, जुआ-सट्टा, अवैध शराब बिक्री आदि के विरुद्ध सतत अभियान चलाकर अपराधियों पर नकेल कसने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल अपराधों के मामलों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को पूर्ण संरक्षण देने हेतु पुलिस अधिकारियों को प्रेरित किया गया। इस संयुक्त निरीक्षण से संबंधित थाना प्रभारियों को उनके प्रदर्शन, कार्यशैली और संसाधन प्रबंधन के आधार पर आवश्यक मार्गदर्शन एवं निर्देश भी दिए।

जीतू पटवारी के खिलाफ झूठी एफआईआर से कांग्रेसियों ने एसपी कार्यालय घेरा



किसी की मदद करना भी भाजपा को गवारा नहीं- मुकेश भाटी

उज्जैन। मुंगावली की घटना को लेकर शहर कांग्रेस ने एसपी कार्यालय का घेराव किया। शहर कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी एसपी कार्यालय पहुंचे और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के समर्थन में नारेबाजी करते हुए जापन सौंपा।

मुकेश भाटी ने कहा कि किसी की मदद करना भी सत्तारूढ़ पार्टी को गवारा नहीं। भाजपा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ देशतापूर्ण तरीके से जो कार्रवाई की गई है वो सत्ता पक्ष की बौखलाहट है। हम सभी कांग्रेसजन इसका विरोध करते हैं। जीतू पटवारी के खिलाफ की गई झूठी एफआईआर वापस नहीं ली गई तो आने वाले समय में कांग्रेस पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतरेगी। संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष रवि राय, अजीत सिंह ठाकुर, माया त्रिवेदी, विवेक यादव, राजेंद्र वशिष्ठ, करण कुमारिया, गब्बर कुवाल, अभीषेक शर्मा, वीरेन्द्र गोशर, सतीश मरमट, पूर्व पापद हिमांशु जोशी, रमेश परिहार, मुजीब सुपारी, सोनिया ठाकुर, स्वाती सिंह, प्रेमलता रामी, चैनसिंह चौधरी, देवव्रत यादव, छोटेलाल मंडलोई, फिरोज पठान, अनवर नागोरी, हिमांशु शर्मा, राजेंद्र राठौर, सादिक कुरेशी, हिमांशु जोशी, लकी ठाकुर, देवेन्द्र पाटनी, गजेन्द्र मारोठिया सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। जापन का वाचन शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने किया।

मोहर्रम के जुलूस को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने किया भ्रमण

सत्ता सुधार ■ बड़वानी

आगामी मोहर्रम पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बड़वानी जगदीश डावर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर ने मोहर्रम जुलूस से संबंधित किला गेट नंबर 01, इमाम बाड़ा, त्रिवेणी चौक, मौलाना आजाद चौक शिवाजी चौक, किला परिसर समस्त प्रमुख मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) संधवा अजय वाघमारे, थाना प्रभारी संधवा शहर निरीक्षक बलजीत सिंह बिसेन सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं बल मौजूद रहे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बब्बर ने जुलूस मार्गों पर मौजूद संवेदनशील एवं विवादित स्थलों का गहन निरीक्षण करते हुए स्थानीय अधिकारियों से विस्तृत



जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने समस्त अधिकारियों को कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, सघन गश्त करने, जरूरी स्थानों पर बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा सभी आयोजकों से समन्वय बनाकर चलने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि त्योंहार के दौरान किसी भी प्रकार की अपव्वाह या असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए निगरानी तेज की जाएगी और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बल की व्यवस्था भी की जाएगी। पुलिस प्रशासन द्वारा वारंट की तामीली हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर थाना प्रभारी सिलावद उनि. वीरबहादुर सिंह चौहान के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

बड़वानी पुलिस ने फरार वारंटी को किया गिरफ्तार

बड़वानी। पुलिस अधीक्षक बड़वानी जगदीश डावर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बड़वानी दिनेश सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना सिलावद पुलिस द्वारा ऑपरेशन हवालात के तहत एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया। लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी हेमन्त पिता कालुसिंह निवासी ग्राम सालखेड़ा, थाना कुक्षी को गिरफ्तार किया। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर विवेचना में लिया।

प्रकरण में आरोपी हेमन्त पिता कालुसिंह, न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था एवं लंबे समय से फरार चल रहा था। जिस पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बड़वानी द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था। थाना सिलावद को वारंट की तामीली हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर थाना प्रभारी सिलावद उनि. वीरबहादुर सिंह चौहान के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

कोयला फाटक चौड़ीकरण में 200 मीटर नाली निर्माण का बेस तैयार



लोक निर्माण प्रभारी तिवारी ने ठेकेदार को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए

सत्ता सुधार ■ उज्जैन

कोयला फाटक चौड़ीकरण का काम आगे बढ़ रहा है अब नाली निर्माण का काम शुरू हो गया 200 मीटर नाली निर्माण का बेस तैयार हो गया है। लोक निर्माण प्रभारी ने निरीक्षण के दौरान ठेकेदार को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। लोक निर्माण प्रभारी ने बताया बैठक में

सभी मुद्दों पर अफसर के साथ चर्चा की गई।

नाली निर्माण का काम शुरू हो गया है 200 मीटर बेस बनाकर तैयार है, सरिया का जाल भी बिछ गया है। संबंधित ठेकेदार को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सामने आया कि काम कमजोर गति से हो रहा है, एक ही टीम काम कर रही है जबकि ठेकेदार को दो टीम लगाकर काम को करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि बिजली के पोल

आ गए हैं इन्हें जल्द ही लगवाया जाएगा। इसके अलावा जिन अफसर के काम में गति नहीं आ रही है उन्हें नोटिस देने के निर्देश दिए गए ताकि कम समय रहते पूरा किया जा सके। कोयला फाटक से कंठाल तक चौड़ीकरण का काम चल रहा है, लोग स्वयं ही अपने मकान के निर्माण को तोड़ रहे हैं। नगर निगम ने जिन मकानों पर निफ्टी के दौरान निशान लगाए थे उन अधिकांश मकान के निर्माण टूट रहे हैं।

शुभारंभ ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है

निःशुल्क सिलाई, कंप्यूटर प्रशिक्षण का किया गया शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ संधवा

संधवा के लाईंस विद्या निकेतन स्कूल में प्रियांश एजुकेशन कल्चर एंड सोशल सोसायटी एवं देसाई फाउंडेशन के सहयोग से निःशुल्क सिलाई, कंप्यूटर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप लायंस क्लब के अध्यक्ष डॉ. अतुल पटेल, सचिव निलेश मंगल, कोषाध्यक्ष



अतुल शाह कार्यक्रम में शामिल हुए। देसाई फाउंडेशन की ओर से एरिया कोऑर्डिनेटर सुनील प्रजापति ने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डाला, जबकि प्रियांश एजुकेशन कल्चर एंड सोशल सोसायटी की ओर से प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर संगीता चौहान, पल्लवी सोनोने, कृष्णा मेहता ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से संधवा के युवा एवं महिलाएं नए कौशल सीखकर अपने जीवन में आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकेंगे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बड़वानी ने चौकी बिजासन का किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ बड़वानी

बड़वानी जिले में पदस्थ नवागत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर द्वारा पुलिस चौकी बिजासन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चौकी में रखे गए अभिलेखों, मालखाना, शस्त्रागार आदि का बारीकी से परीक्षण किया गया एवं साफ-सफाई, अभिलेखों के संधारण एवं सुरक्षा उपायों को लेकर संबंधित स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बब्बर द्वारा प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बड़ी बिजासन मंदिर का निरीक्षण किया गया। मंदिर परिसर, मुख्य प्रवेश द्वार एवं गर्भगृह की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान चौकी



प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विनोद मीणा एवं चौकी स्टाफ उपस्थित रहा। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले पर्व एवं विशेष अवसरों पर भीड़ को नियंत्रित करने एवं निगरानी बढ़ाने की दृष्टि से यह निरीक्षण महत्वपूर्ण रहा।

ब्रीफ न्यूज

जिला दण्डाधिकारी ने 06 आदतन अपराधियों को किया जिला बंदर

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मुरैना अंकित अस्थाना ने पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ के प्रस्ताव पर 06 आदतन अपराधियों को जिला बंदर किया है, इन आदतन अपराधियों पर विभिन्न थानों में विभिन्न अपराधों के मामले पंजीबद्ध है। जिला दण्डाधिकारी श्री अस्थाना ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 सहपठित धारा 5,6 के प्रावधानों के अंतर्गत यह कार्यवाही की है। जिन 06 आदतन अपराधियों को जिला बंदर किया है, उनमें रामपुरकलां निवासी 28 वर्षीय कल्ला उर्फ सतेन्द्र पुत्र अशोक श्रीवास, बाबरखेड़ा फूस का पुरा थाना सरायछेला हाल सिद्धनगर छात्रावास के पीछे वाली गली मुरैना निवासी 22 वर्षीय धारा उर्फ इन्द्रभान गुर्जर पुत्र महेन्द्र सिंह गुर्जर, गोदाम मोहल्ला थाना रामपुरकलां निवासी 30 वर्षीय बन्टी उर्फ गट्टा पुत्र अंगद सिंह जाटव, थाने के सामने सबलगढ़ निवासी 25 वर्षीय आकाश जादौन पुत्र अरविंद जादौन, थाना कोतवाली के अंतर्गत भरभूजा वाली गली चुंगीनाका रोड़ गोपालपुरा मुरैना निवासी 22 वर्षीय आकाश सिंह सिकरवार पुत्र पदम सिंह सिकरवार, थाना कोतवाली के अंतर्गत हनुमान गली जौरी गांव निवासी 30 वर्षीय दीपू राठौर पुत्र नरेश राठौर के नाम शामिल है। इन आदतन अपराधियों कि आपराधिक, असामाजिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लोक व्यवस्था एवं जनसाधारण के हित में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिला दण्डाधिकारी ने इन आदतन अपराधियों को आदेशित किया है, कि वह जिला मुरैना एवं उसके निकटवर्ती जिले ग्वालियर, भिण्ड, श्योपुर एवं शिवपुरी की सीमा से 01 वर्ष की अवधि के लिये बाहर चले जाये और बिना पूर्व स्वीकृति के इन जिलों की सीमा में प्रवेश न करें।

संदीप बने व्यापार मंडल के अध्यक्ष

मुरैना। जौरा नगर के युवा व्यवसाय सदीप अग्रवाल को व्यापार मंडल का नवीन अध्यक्ष चुना गया है। नगर पालिका के टाउन हॉल में नगर पालिका अध्यक्ष अखिल राजू माहेश्वरी की उपस्थिति में आयोजित व्यापार मंडल की बैठक में सर्वसम्मति से युवा सक्रिय व्यापारी संदीप अग्रवाल को व्यापार मंडल का नया अध्यक्ष चुना गया है। इसी क्रम में शिवदीप शर्मा को उपाध्यक्ष, राजू बंदरपुर वालों को महामंत्री एवं गिरिराज बंसल शक्कर वाले को कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया है। व्यापार मंडल का अध्यक्ष बनने के बाद संदीप अग्रवाल का कहना है कि मुझे जिस विश्वास और उम्मीद के साथ सभी व्यापारी भाइयों ने अध्यक्ष की जो जिम्मेदारी दी है, उसे मैं पूरी मेहनत और सभी व्यापारी के भाइयों की सहयोग से निभाने का प्रयास करूंगा स व्यापारियों के प्रत्येक सुख-दुख में सम्लित रहने की बात भी अग्रवाल ने कही पूर्व अध्यक्ष भोला जैन पंसारी ने अग्रवाल सहित समस्त कार्यकारिणी को बधाई देते हुए व्यापारी हित में काम करने की बात भी कही।

भ्रमण

जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन भोपाल के बी.एस. रावत व राकेश सहरिया ने गत दिवस मुरैना जिले का भ्रमण किया। उन्होंने पीएम जनमन और धरती आवा अभियान के अंतर्गत सहरिया बसाहटों में विभागों द्वारा किए गए कार्य एवं गैप आड्डेंटिफिकेशन की जाँच की। उन्होंने ग्राम मानपुर में पीएम जनमन आवास निर्माण, विद्यालय और आंगनबाड़ी का अवलोकन किया। सहरिया जन से योजनाओं के सम्बन्ध में फीड बैक लिया। पहाड़गढ़ में शहद संग्रहण एवं प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन कर स्व-सहायता समूह की दीर्घियों

भाजपा नेता की पहल पर रेलवे अधिकारियों ने कैलारस सबलगढ़ ट्रैक का किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ कैलारस

भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र शुक्ला द्वारा कैलारस सबलगढ़ में रेलवे ट्रैक निर्माण में गुणवत्ता एवं नागरिकों की जल भराव की समस्या, ट्रैक की मिट्टी धसकने, सर्विस रोड नाला निर्माण को लेकर रेल्वे के डीआरएम को शिकायत की थी, जिस पर कार्यवाही हेतु रेल्वे के डिप्टी चीफ इंजीनियर रेलवे कंस्ट्रक्शन ग्वालियर आकाश यादव, एसडीओ रेलवे अनिल शर्मा एवं निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर देवेन्द्र महाजन द्वारा नवीन स्टेशन कैलारस से जीन फील्ड सबलगढ़ तक संपूर्ण रेलवे ट्रैक का ट्रांली में बैठकर निरीक्षण किया गया।

यादव ने स्पष्ट रूप से कहा है कि कैलारस में 4 किलोमीटर अर्थात नवीन रेलवे स्टेशन से डूंगरपुर पंचायत होते हुए व संपूर्ण शहरी क्षेत्र होते हुए, संपूर्ण ग्राम पंचायत आंतरी क्षेत्र में कवर्ड



नाला व सर्विस रोड का निर्माण होगा। इसी प्रकार सबलगढ़ में लगभग 3.30 किलोमीटर जीन फील्ड से गौड़ कॉलोनी के आगे तक भी यही निर्माण कार्य होगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है एवं वर्षा काल के उपरांत कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उपरोक्त स्वीकृति के लिए भाजपा

जिला मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुरैना कलेक्टर अंकित अस्थाना, समाचार पत्र व इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया के सहयोगी पत्रकार एवं रेलवे के सभी वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

‘कॉलेज चलो अभियान’ के तहत छात्राओं को मिला उच्च शिक्षा का संदेश

शासकीय महाविद्यालय कैलारस की टीम ने कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में चलाया प्रवेश जागरूकता कार्यक्रम

लिए चलाई जा रही काउंसलिंग का द्वितीय चरण संपूर्ण हो चुका है एवं तृतीय चरण 05 जुलाई, 2025 से प्रारंभ हो रहा है। शासकीय महाविद्यालय कैलारस में स्नातक पाठ्यक्रम में गणित, जीव विज्ञान एवं कंप्यूटर साइंस से बी. एस. सी. संचालित है। साथ ही शासन की समस्त योजनाएं गांव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण, आवास भत्ता, मेछावी, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रहीं हैं। इस अवसर पर शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कैलारस की प्राचार्य श्रीमती प्रीति शर्मा ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन की दिशा तय करती है। उन्होंने छात्राओं से अपील की, कि वे इस अभियान का लाभ लें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें। कार्यक्रम में कॉलेज चलो अभियान समिति सदस्य श्रीमती रुचि गुप्ता, डॉ. प्रशांत चतुर्वेदी की उपस्थिति थी उल्लेखनीय रही, जिन्होंने छात्राओं से संवाद कर उन्हें विज्ञान, वाणिज्य और कला के क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में संचालित यह अभियान ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा की ओर उन्मुख करने की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

सरकारी स्कूल में सर्प निकलने बच्चों एवं शिक्षकों में फैली दहशत



शासकीय हाई स्कूल निमास द्वारा शिक्षा अधिकारी को लिखे गए पत्र में बताया गया है कि हाई स्कूल के प्रांगण में बने कमरों में आए दिन सर्प निकल रहे हैं, जिससे शिक्षा एवं बच्चे भयभीत हैं। इसके वीडियो एवं फोटो भी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, एसडीएम कार्यालय के साथ-साथ जिला शिक्षा अधिकारी को भी डाले गए हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस कारण विद्यालय में आने वाले बच्चों को उनके पालक भेजने में कतरा रहे हैं। प्राचार्य ने वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय में सर्प निकालने के कारण उसके संचालन में दिक्कत आ रही है और सभी लोग भयभीत हैं इसलिए इनका इंतजाम कराया जाए।

शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उन्हें महाविद्यालयीन जीवन, पाठ्यक्रमों और कैरियर की संभावनाओं से अवगत कराना रहा।इ कार्यक्रम में महाविद्यालय से कॉलेज कैलारस में एक प्रेरक एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उच्च

शशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण करती है। उन्होंने छात्राओं को कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, छात्रवृत्ति योजनाओं और आगे के रोजगार अवसरों की विस्तार से जानकारी दी है। शासकीय महाविद्यालय लितोरिया ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार उच्च शिक्षा एक

पोरसा पुलिस ने चोरी का ट्रैक्टर किया बरामद, आरोपी को किया गया गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ मुरैना

गत 29 जून को फरियादी राममूर्ति पिता रामजीलाल शर्मा निवासी ग्राम धर्मगढ़, थाना पोरसा ने थाना पर उपस्थित होकर अपने लाल रंग स्वराज कंपनी के ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 06 जेडसी 5203 को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रात्रि में चोरी कर ले जाने संबंधी रिपोर्ट की गई, फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर थाना पोरसा पर बीएनएस की धारा 303(2) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक मुरैना समीर सौरभ से प्राप्त निर्देशों के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी अम्बाह रवि प्रकाश भदौरिया के मागदर्शन में थाना प्रभारी पोरसा द्वारा



गठित टीम के साथ घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज चैक किए गए एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान 02 जुलाई को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति स्वराज कंपनी का लाल रंग का एक ट्रैक्टर अटरे के रास्ते आगरा की ओर ले जाने वाला है। मुखबिर की सूचना पर त्वरित

कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा नगरा अटरे के रास्ते पर दबिश देकर आरोपी संदीप पुत्र रामप्रकाश शर्मा निवासी को घेराबंदी कर पकड़कर पृथ्छाछ की गई तो उसके द्वारा चोरी की घटना कारित करना स्वीकार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया ट्रैक्टर कीमती करीबन 26,00,000 रूपए जब्त कर बरामद किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांवो का किया भ्रमण मलेरिया डेंगू व चिकुनगुनिया की भ्रमण कर दी जानकारी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में गत दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खडियाहार के अम्बाह वार्ड नंबर 13, नूरावाद के ग्राम किशनपुर, पहाड़गढ़ के ग्राम खरिका, कैलारस के ग्राम जेरना में मलेरिया, डेंगू व चिकुनगुनिया की रोकथाम एवं जन जागरूकता बैठक की। बैठक में सी.बी.एम.ओ. खडियाहार डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता, सी.बी.एम.ओ.नूरावाद डॉ. गिराज गुप्ता, सी.बी.एम.ओ. पहाड़गढ़ डॉ. अनुभा महेश्वरी, सी.बी.एम.ओ. कैलारस डॉ. एस.आर. मिश्रा, स्वास्थ्य विभाग की टीम, मेडिकल ऑफिसर, सी.एच.ओ., मलेरिया निरीक्षक, सेक्टर सुपरवाइजर, एम. पी. डब्ल्यू. ए. एन. एम. ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं ग्राम पंचायत के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित ग्रामों के जनप्रतिनिधि व ग्रामवासियों को मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया के लक्षण एवं बचाव के बारे में समझाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खडियाहार के अम्बाह वार्ड नंबर 13 में 110

घरों का सर्वे किया गया। जिसमें 02 पॉजिटिव, 436 कन्टेनर चेक किये। जिनमें 03 पॉजिटिव निकले। नूरावाद के ग्राम किशनपुर में कुल 225 घरों का सर्वे किया गया। जिसमें से 10 घरों में लार्वा निकला एवं 538 कन्टेनर चेक किये गये, जिनमें से 15 पॉजिटिव निकले। पहाड़गढ़ के ग्राम खरिका में कुल 112 घरों का सर्वे किया गया। जिसमें 05 पॉजिटिव निकले एवं 356 कन्टेनर चेक किये गये, जिनमें से 08 पॉजिटिव निकले। कैलारस के ग्राम जेरना 357 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें से 10 पॉजिटिव व कुल कटेनर 1071 चेक किये गये। जिसमें 11 पॉजिटिव निकले। बुखार आने पर तुरंत रक्त की जांच नजदीकी सरकारी अस्पताल में कराने की सलाह दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मुरैना शहरी क्षेत्र में डेंगू, चिकुनगुनिया व मलेरिया की रोकथाम हेतु लार्वा सर्वे एवं लार्वा विनष्टीकरण, बी.टी.आई 5 प्रतिशत, टेमीफोस दवा का छिड़काव कार्य, घर-घर जाकर लोगो के घरों में टंकी, कुलर, टायर, छत पर रखे मटके आदि कंटेनर, फीज के पीछे लगे टब, पंखी के पानी पीने के सकोरे आदि में लार्वा चेक किया।

श्रीराम कथा से मिलता है परम सुख: महाराज संजय कृष्ण शास्त्री

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के जौरा नगर में द्वितीय दिवस की कथा में महाराज संजय कृष्ण शास्त्री ने अपनी वाणी से सती चरित्र का वर्णन किया। एक बार त्रेता युग माही। शंभु गये कुम्भज रिति पाही।। राम कथा मुनिवर्ज बखानी। सुनी महेश परम सुख मानी।। भगवान शिव माता सती के साथ अगस्त्य ऋषि के पास जाकर राम कथा सुनी एवं परम सुख का अनुभव किया, किन्तु माता सती ने कथा नहीं सुनी और जब भोले नाथ जी कथा सुनकर ऋषि को भगवान की भक्ति प्रदान करके माता सती के साथ जाने लगे, उसी समय उन्होंने आकाश मार्ग से अपने प्रभु श्री राम को सच्चिदानंद कहकर प्रणाम किया। उस समय प्रभु श्री राम माता जानकी के विरह में व्याकुल



केसे घूम रही हो। भोलेनाथ जी कहा है तब मैया सती का भ्रम टूट गया। जब भोले नाथ जी को पता चला तो उन्होंने माता सती का त्याग कर दिया एवं विस्तार पूर्वक कथा का वाचन किया और शिव पार्वती विवाह उत्सव सभी ने धूमधाम से मनाया।

होकर वन वन खोजते हुए पशु पक्षी हिरण भौरों कि कतारों से पृछते हुए जा रहे थे। उसी समय भगवान भोलेनाथ ने प्रभु श्रीराम को सच्चिदानंद कहकर प्रणाम किया। माता सती ने संशय किया, बोली यह ब्रह्म नहीं हो सकते, जो नारी के विरह में एक साधारण मानव की भांति व्याकुल होकर भटक रहे हैं। माता ने परिक्षा लेने लिए माता सीता का स्वरूप धारण किया तो प्रभु ने उनको पहचान लिया स प्रणाम करके कहा बोले, इस वन में अकेली

मध्यस्थता योजना अंतर्गत 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान

मुरैना। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना श्रीमती संगीता मदान के कुशल मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना द्वारा 01 जुलाई 2025 से 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता योजना अंतर्गत अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान जिला न्यायालय मुरैना, तहसील न्यायालय अम्बाह, जौरा, सबलगढ़ में संचालित किया जा रहा है। योजनांतर्गत पक्षकार जिनके मामले न्यायालय में लंबित है तथा जिन प्रकरणों में राजीनामा संभव है, वह पक्षकार राजीमाना के माध्यम से अपने प्रकरणों का

निराकरण करा सकता है। मध्यस्थता योजना के तहत प्रकरणों के निराकरण से पक्षकारों का समय व आर्थिक हानि से बचा जा सकता है। ऐसे पक्षकार जो अपने प्रकरण को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाना चाहता है व अपने अधिवक्ता के माध्यम से अथवा सीधे न्यायालय में निवेदन कर अपने प्रकरण को मध्यस्थता हेतु मीडिएशन सेन्टर के लिए रेफर्ड करा सकते हैं। आमजन से अपील है कि राजीनामा योग्य प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में समाधान पर उक्त योजना का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और संबंधित तहसील विधिक सेवा समिति में सम्पर्क करें।

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन भोपाल के बी.एस. रावत व राकेश सहरिया ने गत दिवस मुरैना जिले का भ्रमण किया। उन्होंने पीएम जनमन और धरती आवा अभियान के अंतर्गत सहरिया बसाहटों में विभागों द्वारा किए गए कार्य एवं गैप आड्डेंटिफिकेशन की जाँच की। उन्होंने ग्राम मानपुर में पीएम जनमन आवास निर्माण, विद्यालय और आंगनबाड़ी का अवलोकन किया। सहरिया जन से योजनाओं के सम्बन्ध में फीड बैक लिया। पहाड़गढ़ में शहद संग्रहण एवं प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन कर स्व-सहायता समूह की दीर्घियों

ब्रीफ न्यूज

आबकारी विभाग दमोह द्वारा की गई जप्ती की कार्यवाही



दमोह। अवैध मदिरा विक्रय, संग्रहण, परिवहन और उपभोग के विरुद्ध कार्यवाही के क्रम में जिला आबकारी अधिकारी रविंद्र खरे के निर्देशन में आबकारी वृत अ प्रभारी अनुरोध सेन के द्वारा थाना दमोह देहात अन्तर्गत दमोह-बालाकोट मार्ग पर सिद्ध बाबा पहाड़ी पास एक सद्विध मोटर साइकिल चालक को रोककर मोटर साइकिल पर टंगे थैले की तलाशी लेने पर उससे कुल 120 पाव देशी मसाला मिलने पर उक्त अवैध मदिरा और मदिरा परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटर साइकिल को जप्त करते हुए आरोपी मोटर साइकिल चालक के विरुद्ध विधिवत् मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1)(क) का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जप्त सामग्री मदिरा और वाहन की कीमत लगभग 62000 रुपए है। उक्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक कुलदीप कटारो, भूपति सिंह और महिला आरक्षक गीतांजलि गुप्ता शामिल रहे।

खंडवा में बाल कल्याण समिति की बैठक आज

खंडवा। जिले में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक 4 जुलाई को सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ऋषभ गुप्ता करेंगे। बैठक में नगर निगम, जिला पंचायत, श्रम, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, सामाजिक न्याय, कौशल विकास, जिला योजना और आदिवासी कल्याण विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी लैपटॉप की राशि

खंडवा। राज्य सरकार की मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत 4 जुलाई को 75व या उससे अधिक अंक लाने वाले हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों को १25,000 की राशि ऑनलाइन दी जाएगी। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री मोहन यादव कार्यक्रम में राशि ट्रांसफर करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी पी. एस. सोलंकी ने बताया कि खंडवा जिले से 1166 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। जिले में कार्यक्रम मोतीलाल नेहरू स्कूल (मोघट थाने के पास) में आयोजित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी भी वचुंअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे।

पिछले 24 घंटों में जिले में 4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

खंडवा। जिले में गत चौबीस घंटों में 4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया पिछले चौबीस घंटे में खालवा तहसील में 14 मिमी, खंडवा तहसील में 4 मिली मीटर तथा पंधाना तहसील में 2 मि मि वर्षा दर्ज की गई है। जबकि हरसूद एवं पुनासा तहसील में पिछले 24 घंटे में कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष 3 जुलाई तक 161.4 मि.मी. औसत वर्षा हो चुकी थी। जबकि इस वर्ष अब तक जिले में 183.6 मि.मी. औसत वर्षा हो चुकी है।

आतिशबाजी

खंडेलवाल के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर मनाया जश्न

सत्ता सुधार ■ दमोह भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के संगठन पर्व में प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण होने पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर जिला भाजपा कार्यालय में गाजे बाजे एवं आतिशबाजी के बीच पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर बधाई देते हुए जश्न मनाया। जिला महामंत्री सतीश तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व का समापन आज प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन के हो गया। सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को इस अवसर पर

सत्ता सुधार ■ खंडवा

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत करने वालों के बनने की घोषणा के साथ ही खंडवा जिले में कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। केवलराम पेट्रोल पंप एवं नगर निगम के समीप कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाई बांटकर एक दूसरे को बधाई दी। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि भाजपा संगठन के चुनाव पूरी लोकतांत्रिक प्रणाली से किए जाते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के नए दावेदार के रूप में पूर्व सांसद बैतूल के विधायक प्रदेश के कोषाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने विधिवत रूप से चुनाव प्रभारी को नामांकन के दिन मंगलवार को अपना



आदिवासियों की जमीन पर दूसरे किसान करा रहे पंजीयन

अब तक करीब 2.50 लाख विक्टल मूंग की खरीदी

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में मूंग खरीदी हेतु पंजीयन का कार्य तेजी से चल रहा है। अब तक करीब 40 हजार किसानों का पंजीयन हो चुका है। 5 जुलाई तक पंजीयन कार्यवाही चलेगी। दो-तीन दिन का समय शेष है। समर्थन मूल्य का फायदा लेने के लिए आदिवासियों की जमीन दूसरे किसान मूंग का पंजीयन करा रहे हैं। फर्जी तरीके से खोत नामा तैयार करके ऐसा खेल किया जा रहा है। जिस खेत में मूंग की होनी नहीं हुई थी वहां भी मूंग की बोनी रिकॉर्ड में दिखाकर पंजीयन करवाया जा रहा है। मूंग पंजीयन में व्यापक पैमाने फर्जी वाड़े की खबर है। कम कीमत में मूंग खरीदकर पंजीयन कराकर समर्थन मूल्य का लाभ लेकर लखपति बनने के फिराक में सुनियोजित षड्यंत्र के तहत ऐसा किया जा रहा है। जांच पड़ताल होगी तो पंजीयन में चौंकाने वाला फर्जी वाड़ा जग जाहिर हो जायेगा।

जून माह में 1.50 लाख विक्टल मूंग की खरीदी -

जून माह में अकेले करीब 1.50 लाख किंटल मूंग की खरीदी जिले के चारों मंडियों में हुई है। अकेले खिड़किया में 75 हजार किंटल, 40-45 टिम्परी में, 10-15 किंटल सिराली व अन्य मंडियों में मूंग की खरीदी हुई है।

लेट लतीफी के कारण बिका मूंग

समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी में लेट लतीफी के कारण मूंग बाजार व मंडी में बिक गई, कर्ज अदा करने के लिए छोटे किसानों ने मूंग बेच दी। अब जो मूंग की खरीदी किये हैं वही किसान बनकर पंजीयन कराकर खरीदी



अब तक 2.50 लाख विक्टल मूंग की खरीदी

जब से मूंग तैयार हुई तब से अप्रैल, मई, जून और जुलाई में करीब 2.50 लाख किंटल मूंग की खरीदी हो चुकी है। अब समर्थन मूल्य पर मूंग की बिक्री कहा से होगी यह यक्ष प्रश्न बन गया है। ज्यादातर किसानों में मूंग बेच दिया है। छोटे-मोटे वह बड़े व्यापारियों ने मूंग की खरीदी कर ली है। आदिवासियों की भूमि पर मूंग का पंजीयन कराकर समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी में शामिल होना चाहते हैं।

सांठागांठ से हो रहा फर्जी पंजीयन-वाष्ट

राम जीवन वाष्ट का कहना है कि मूंग खरीदी का पंजीयन सांठागांठ से किया जा रहा है। जिसके कारण फर्जीवाड़ा उजागर नहीं हो पा रहा है। अब इसकी जांच कराकर कार्यवाही करने की मांग जोर पकड़ रही है। पंजीयनकर्ता किसानों की संख्या देखकर सभी आश्चर्यचकित हैं और संख्या पर सवाल खड़े कर रहे हैं। सच्चाई क्या है पता लगाकर कार्यवाही की जाये।

में भाव लेकर समर्थन मूल्य का लाभ लेंगे।

पंजीयन की जांच से खुलेगी पोल -खोरे

किसान नेता रामनिवास खोरे का कहना है कि अब तक करीब 40 हजार किसानों ने पंजीयन करा रखा है। जिसकी जांच पड़ताल कर दस्तावेजों का सत्यापन मौके पर जाकर किया जाये तो दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा। फुटकर व्यापारी हर वर्ष ऐसा करते हैं। सांठागां

करके फर्जी तरीके से पंजीयन की कार्यवाही में भाग ले रहे हैं। जिसे कोई देखने व सुनने वाला नहीं है।

पंजीयन कर्ता किसानों की जांच कराई जाए

पंजीयन कराने वाले किसानों के दस्तावेजों की जांच कराई जाये। खोटानामा में कितनी सत्यता है उसका पता लगाया जाये तो किसान की आड़

नामांकन प्रस्तुत किया। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के लिए एक ही श्री खंडेलवाल का नाम आने से प्रदेश पर्यवेक्षक धर्मेन्द्र प्रधान और चुनाव अधिकारी विवेक शोजवलकर मैं पार्टी कार्यालय में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में हेमंत खंडेलवाल को को प्रमाण पत्र देकर उनके नाम की घोषणा की घोषणा की। श्री खंडेलवाल के नाम की घोषणा के साथ ही पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई जगह-जगह उत्साह मनाया गया। सुनील ने बताया कि जिला मुख्यालय खंडवा में भी भाजपा नगर के तीनों मंडल अध्यक्ष प्रदीप यादव, रोहित मिश्रा,स्नेहा पाराशर,

के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने केवल राम पेट्रोल पंप पर आतिशबाजी के साथ ढोल ढमोको पर नृत्य करते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामना दी। वही युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनूप पटेल के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के समीप आतिशबाजी कर नए प्रदेश अध्यक्ष के नियुक्त होने पर खुशियां मना कर उत्साह जाहिर किया। आयोजित कार्यक्रम में हरीश कोटवाले, दिनेश पालीवाल, सुनील जैन, ममता बोरसे, परमजीत सिंग नारंग, आशीष चटकेले, गोपी शर्मा, गणेश गुरबानी, प्रदीप यादव, धर्मेन्द्र

बजाज, रोहित मिश्रा, स्नेहा पाराशर नानुराम मांडले भावेश बिल्लोरे,सागर आरतानी, अनिल वर्मा,मोहन गंगराड़े, गणेश गुरबाणी आशीष शर्मा, महेन्द्र यादव, मंगलेश तोमर, अनूप पटेल, यशदीप चोरे सुधीर साकल्ले, सोनू इंगे,अनिल भगत, बलदेव मोर्य,दीपसिंग झाला, जीवन डिण्डोरे, रक्षा प्रजापति, सदानंद यादव,तेजेंद्र बाथम, अशोक पटेल, गम्बर वर्मा,मनोज तिवारी, विजय महाजन कपिल अग्रवाल, राजा शर्मा, धीरज शर्मा, शिवा मेहता, विंटी राजपाल, शिवा मेहता विशाल छाबड़ा सहीत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मूंग खरीदी वाले व्यापारियों के स्टक का सत्यापन- वाष्ट

किसान नेता अखिलेश वाष्ट का कहना है कि मंडियों में जिन व्यापारियों ने मूंग की खरीदी की है उनके स्टक का सत्यापन कर देख लेना चाहिए ताकि मंडी में खरीदी गई। मूंग समर्थन मूल्य पर खरीदी में न पहुंच सके और जिन किसानों ने मंडी में मूंग बेच दी है उतना माइनस हो जाना चाहिए । इसकी जांच पड़ताल की जायेगी तो मूंग खरीदी में फर्जीवाड़ा थम जायेगा।

खोटानामा लगाकर करा रहे पंजीयन- दुबे

टिम्परी भाजपा पार्षद सुनिल दुबे का कहना है कि ग्राम में पट्टेदार आदिवासी अपनी जमीन दबंगो को बेचकर जा चुके हैं रिकॉर्ड में जमीन पट्टेदारों के नाम है उक्त जमीन पर काबिज किसान खोटानामा लगाकर पंजीयन करा रहे हैं। ऐसा पूरे हरदा जिले में हो रहा है आदिवासी किसान पंजीयन नहीं करवा रहे हैं। इसकी जांच पड़ताल की जाए तो फर्जी तरीके से खोटानामा लगाकर मूंग खरीदी हेतु पंजीयन कराने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आ जाएगा।

में व्यापारी मूंग खरीदी में भाग लेकर समर्थन मूल्य का लाभ लेंगे।

सांठागांठ से हो रहा फर्जी पंजीयन- वाष्ट

राम जीवन वाष्ट का कहना है कि मूंग खरीदी का पंजीयन सांठागांठ से किया जा रहा है। जिसके कारण फर्जीवाड़ा उजागर नहीं हो पा रहा है। अब इसकी जांच कराकर कार्यवाही करने की मांग जोर पकड़ रही है। पंजीयनकर्ता किसानों की संख्या देखकर सभी आश्चर्यचकित हैं और संख्या पर सवाल खड़े कर रहे हैं। सच्चाई क्या है पता लगाकर कार्यवाही की जाएं।

लेवल काउंसिलिंग के लिये 13 अगस्त तक कर सकते हैं पंजीयन

हरदा। स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में संस्था स्तर पर प्रवेश प्रारम्भ हो गए है। प्राचार्य डॉ. अभिरुचि सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी मैकेनिकल्, इलेक्ट्रिकल्, सिविल, कंप्यूटर साइंस विभाग में प्रवेश के लिये 13 अगस्त तक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पंजीयन करा सकते है। पंजीयन के बाद विद्यार्थी 13 अगस्त तक सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को प्रातः10.30 बजे से संस्था में सभी दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर सी एल सी राउंड की प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते है। उन्होने बताया कि छत्र पहले आओ पहले पाओ के अनुसार बांच चयन कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए अलग से सीट उपलब्ध रहेगी।

महिला सशक्त वाहिनी कक्षा की छात्राओं को मिल रहा निःशुल्क मार्गदर्शन व प्रशिक्षण

सत्ता सुधार ■ हरदा

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला सशक्त वाहिनी कक्षा में छात्राओं को निःशुल्क मार्गर्शन व प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि सशक्त वाहिनी की कक्षा में जिले के विकासखंड टिम्परी, हरदा एवं खिरकिया के ग्रामों की बालिकाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। उन्होने बताया कि इन कक्षाओं में छात्राओं को लिखित



परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है, जिसमें सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान एवं सामान्य बुद्धि के प्रश्न हल कराए जा रहे हैं तथा समय-समय पर टेस्ट भी लिये जा रहे हैं।

साथ ही बालिकाओं को फिजिकल क्लास में 800 मीटर दौड़, 10 फिट लंबी कूद, 15 फिट गोला फेंक सहित अन्य गतिविधियां आयोजित कराई जा रही है।

जय शिक्षा प्रभारी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा



हरदा। जय शिक्षा प्रभारी रोहित कुमार द्वारा ग्राम पंचायत कचनार अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा किया । श्री कुमार ने बताया कि इस दौरान बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई कराने कि आवश्यकता महसूस की जा रही है। बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से विकास कराने की आवश्यकता है। बच्चों को गर्म खाना, कुपोषित बच्चों को अतिरिक्त आहार देने की आवश्यकता

है। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाएं जैसे टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और प्राथमिक उपचार होते रहना चाहिए। गंभीर बीमार महिलाएं, बच्चों को स्वास्थ्य केंद्र भेजने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वहीं आशा कार्यकर्ता और सहायिका को साफ सफाई करते हुए बच्चों का अच्छे से देखभाल करने की बात पर विशेष जोर दिया गया।



बीफ न्यूज

कन्यादान राशि ना आने पर पूर्व जनपद अध्यक्ष इंंदर सिंह ठाकुर के नेतृत्व में आज होगा आंदोलन

बीना/सागर। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में 403 लड़कियों की शादी हुई थी। दो माह बीत जाने के बाद भी इनके खाते में राशि नहीं आई है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में शादी करने वाली महिला हितग्राही को 49 हजार रुपए की राशि मिलती है। यह राशि सीधे वधु के खाते में ट्रांसफर की जाती है, लेकिन अब इनके खाते में राशि नहीं आई है। इसके विरोध में पूर्व जनपद अध्यक्ष इंंदर सिंह ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन अब तक राशि नहीं मिली है। इसके चलते वह हितग्राहियों के साथ गांधी तिराहे पर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन देंगे।

खाद्य मंत्री ने रावतपुरा सरकार से लिया आशीर्वाद, सुख समृद्धि की कामना की



सागर। श्री रावतपुरा सरकार आश्रम वेदांती परिसर में सात दिवसीय श्री सद्गुरु प्राकट्य महोत्सव में शामिल होकर खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने संत श्री रावतपुरा सरकार से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया एवं क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामना की। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि संतों के चरण जहां पड़ते हैं वहां सुख समृद्धि का वास होता है हमारा यह सौभाग्य है कि श्री रावतपुरा सरकार जी की हमारे सागर और बुंदेलखंड पर विशेष कृपा है।

डॉक्टर डे पर डा. पं रामबाबू तिवारी एवं डाक्टर अमितेश तिवारी को किया सम्मानित

बीना/सागर। डॉक्टर डे पर जिज्ञौतिया ब्राह्मण समाज के सभी लोगों ने डॉ. पं रामबाबू तिवारी के क्लीनिक पर पहुंचकर श्रीफल और शाल और पुष्प माला से उनको सम्मानित किया।पं. हरदयाल गोस्वामी ने कहा कि डॉक्टर आर बी तिवारी निरंतर मानव सेवा में लगे हुए हैं।पंडित दिनेश पाठक ने कहा कि डॉक्टर भगवान का दूसरा रूप माना गया है। सुधीर रिछारिया ने कहा कि डॉ पं रामबाबू तिवारी ने जिज्ञौतिया ब्राह्मण संघ का जब से अध्यक्ष पद संभाला है। वह निरंतर समाज की और जनता की निस्वार्थ सेवा निरंतर कर रहे हैं। राजीव रिछारिया ने कहा कि डॉक्टर साहब गरीबों के मसीहा है,और निरंतर गरीबों का इलाज मुफ्त में करते आ रहे हैं।पंडित रमाकांत बिलगैया ने बताया कि डॉक्टर आरबी तिवारी जी जवाहर वार्ड के लोग जो अति गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं उनको निरंतर निशुल्क हमेशा इलाज मुफ्त में करते हैं।डॉक्टर डे पर पंडित देव बबेले पं देवकीनंदन रिछारिया, संजय तिवारी, बंटी चौबे, और बुजेंद्र दुबे शिवेंद्र मिश्रा ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की।

मकरोनिया में मुख्य सड़कों पर विचरण कर रहे आवारा मवेशियों की धर पकड़ हुई शुरू

पहले दिन पकड़े गए करीब एक दर्जन मवेशी,अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

सत्ता सुधार ■ सागर

शहर की मुख्य सड़कों को आवारा मवेशियों से मुक्त करने के उद्देश्य से और लोगों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए सागर कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर आवारा मवेशियों की धर पकड़ जारी है,इसी क्रम में मकरोनिया नगर पालिका द्वारा बुधवार को उपनगर की मुख्य सड़कों पर विचरण करते एक दर्जन से अधिक आवारा मवेशियों को काऊ कैचर टीम ने रेस्क्यू किया,और उन्हें वाहन में भरकर गौशाला और अन्यत्र स्थान पर छोड़ दिया गया,मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन शर्मा ने बताया की मकरोनिया क्षेत्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की वजह से लगातार भीड़भाड़ देखी जाती है ऐसे में यह आवारा मवेशी सड़कों पर विचरण कर आमजन को नुकसान पहुंचाने सहित यातायात व्यवस्था को भी बिगाड़ते नजर आते हैं,इन्हीं सब समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर



संदीप जी आर के निर्देश पर इन आवारा मवेशियों की धर पकड़ शुरू की गई है,और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा,इसके अलावा उपनगर की मुख्य सड़कों पर किए गए अतिक्रमण को भी सख्ती से हटाया जा रहा

है,आमजन से ओर व्यापारियों से अपील की जा रही है मुख्य सड़कों पर फैले अतिक्रमण को खुद ही हटाले अन्यथा नपा प्रशासन हटा देगा,और कार्यवाही के दौरान होने वाली छ्ती के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

भाजपा की नाकामियों को उजागर करना क्या गुनाह है:-प्रभु सिंह ठाकुर

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

पिछड़ा वर्ग के पीड़ित युवक की आवाज उठाने के कारण प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरुद्ध भाजपा सरकार द्वारा मुंगावली थाने में झूठी एफआईआर दर्ज करने के विरोध में न्याय सत्याग्रह के रूप में 8 जुलाई को अशोकनगर में दोपहर 12 बजे बीना सहित मध्य प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तारी देंगे, यह बात सागर सह प्रभारी मनोज कपूर ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बीना में आयोजित बैठक के दौरान कही उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अशोकनगर पहुंचने की अपील की।इस दौरान पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रजातांत्रिक तरीके से भाजपा की नाकामियों को उजागर करना क्या



गुनाह है, यदि दर्ज मामला वापस नहीं लिया गया जेल भरने से नहीं चूकेगे। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंंदर सिंह यादव ने कहा की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर इस तरह से एफआईआर दर्ज करना लोकतंत्र को समाप्त करना है सबको अपने तरीके से बात रखने का प्रजातंत्र में अधिकार होता है किंतु जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी कुचक्र चल रही है वह प्रजातंत्र के

लिए खतरा है।शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है किंतु जिस तरह से भाजपा विपक्ष लोगों पर अलोकतांत्रिक तरीके से झूठी मुकदमे दर्ज कर रही है यह लोकतंत्र के लिए खतरा है।इस मौके पर विशेष रूप से पी पी नायक शालू बिलगैया,अशोक परिहार, प्रमोद राय, ओमप्रकाश पासु के अलावा युवक कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महिला कांग्रेस सहित अनेक कांग्रेस से उपस्थित थे।

शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी का उच्च शिक्षा में स्वागत है



सत्ता सुधार ■ सागर

स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरी में तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के तृतीय दिवस को नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत रोली-टीका लगाकर एवं पुष्पवर्षा कर किया गया। सर्वप्रथम मां

सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश दुबे द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी का उच्च शिक्षा में स्वागत है। आप सभी महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के अध्ययन-अध्यापन कर अपने सपनों को

साकार करें साथ ही समय-समय पर आपको विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में सहभागिता कर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। डॉ. जी.आर. चौहान ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों से परिचय कराया। महाविद्यालय के ऑनलाईन प्रवेश प्रभारी डॉ.

अभिषेक गोयल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों जिनमें एनसीसी, एनएसएस एवं खेल-कूद आदि से अवगत कराया। डॉ. आशीष जैन ने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, रोजगारोन्मुखी एंड्रीडीपी के माध्यम से संचालित बी.एस-सी. हेल्थकेयर मैनेजमेंट एवं बी.कॉम. इन रिटेल ऑपरेशन की जानकारी के साथ-साथ शासन द्वारा संचालित विभिन्न छत्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज मिश्रा एवं आभार डॉ. रिजवान खान ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. संतोष मिश्रा, डॉ. कलम सिंह डुड्डे, डॉ. ओमना सेनानी, भगवत सिंह पटेल, शिवलाल अरिहवार, डॉ. महेन्द्र चौरसिया, डॉ. शिवेन्द्र पाठक, डॉ. अनामिका पाठक, डॉ. मनीषा पाण्डे, डॉ. राजेन्द्र कुमार नागेश, राजेश गिरवाल, श्रीमती ज्योति तिवारी, विनोद सोनी, प्रेमनारायण साहू, श्रीमती वंदना साहू, श्रीमती अर्चना खैरवार, काशीराम गौड़, मुबीन खान, रश्मि उपाध्याय, गगन खत्री, पंकज प्रजापति,अबरार खान, विनोद ताम्रकार, प्रेमशंकर साहू, नीतेश, प्रेमशंकर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देशों का हो रहा है अनुपालन

क्षतिग्रस्त, जर्जर भवनों को गिराने की कार्रवाई जारी, जर्जर क्षतिग्रस्त भवनों की सूचना दे जिलेवासी



सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर के द्वारा निर्देश दिए गए थे कि जिले में कोई भी भवन क्षतिग्रस्त जर्जर नहीं हो इस हेतु तत्काल कार्रवाई करें और

जल भराव की स्थिति निर्मित ना हो इसके लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जावे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जावे इसी परिपेक्ष में जिले के अनेक विकासखंडों में

कार्रवाई की गई।

उन्होंने समस्त जिले वासियों से अपील की है कि उनके क्षेत्र में यदि कोई मकान जर्जर और क्षतिग्रस्त है तो इसकी सूचना संबंधित राजस्व अधिकारी नगर पालिका नगर परिषद नगर निगम एसडीम को तत्काल दें जिससे कि उसे भवन को घराने की कार्रवाई की जा सके और सभी को सुरक्षित रखा जा सके उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले का नाम भी गुप्त रखा जाएगा।

कलेक्टर के निर्देशों के अनुपालन में नगर परिषद मालथौन, देवरी, जनपद पंचायत बंडा में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों को गिराने की कार्यवाही की गई।

प्लास्टिक हटाओ पर्यावरण को बचाओ के बारे में लोगों को बताया



सागर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शासन आदेशानुसार नगर पालिका परिषद मकरोनिया एवं संस्था द्वारा नगर के में रहवासियों को कार्यशाला के माध्यम से समझाया गया कि सिंगल यूज प्लास्टिक पॉलीथिन का उपयोग ना करे पॉलिथीन की जगह पर कपड़े से बने थैले या कागज से बने थैले का उपयोग करे। अगर हम सब मिलकर प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग करना बंद कर दें तो हमारा शहर सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त हो जाएगा जिससे हमारा शहर साफ और स्वच्छ बना रहे एवं पर्यावरण प्रदूषित नहीं होगा। प्लास्टिक हटाओ पर्यावरण को बचाओ के बारे में लोगों को बताया गया।

जर्जर भवन बच्चे हो या गांव देहात के लोग या फिर जानवर उन भवनों में खड़े भी होते हैं कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है

रुसला एवं पीपर खेड़ी शाला में पढ़ने वाले बच्चों का जीवन खतरे में शासन ध्यान दे



सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

जहां जर्जर भवनों को गिराने के आदेश कलेक्टर दे रहे हैं लगभग बीना में 12 स्कूल भवन ऐसे हैं जो पूर्णता जर्जर हो चुके हैं जिनको गिरने की नितांत आवश्यकता है क्योंकि बच्चे हो या गांव देहात के लोग या फिर जानवर उन भवनों में खड़े भी होते हैं कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इसके अलावा कई शिक्षा के केंद्र ऐसे हैं जिनकी छते, सीलिंग, पूर्णतः खराब हो चुकी है ऐसे में शिक्षक विचारे करें तो क्या करें। एक और शिक्षा देना भी आवश्यक है तो दूसरी ओर छत टपकने का अंदेश भी है कहीं ऐसा ना हो कि कोई हादसा हो जाए ऐसा ही एक उदाहरण बीना से 6 किलोमीटर दूर रुसल्ला ग्राम की स्कूल पूर्णता

जर्जर हो चुकी है जहां पर सावधान स्कूल जर्जर स्थिति में है बच्चों को बैठने के लिए मना किया गया किंतु स्कूल लगाना भी आवश्यक है ऐसे में बच्चों को जर्जर स्कूल भवन में पढ़ाया जा रहा है। प्रशासन की नजर में होने के बावजूद भी वहां पर स्कूल लग रही है।

इसी तरह बीना से मात्र 5 किलोमीटर दूरी पर पीपर खेड़ी ग्राम है जहां की प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला भवन की छत से लगातार पानी टपकता रहता है ऐसी स्थिति में किसे दोष दें प्रशासन में बैठे बी आर सी या फिर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को जिनको लगातार अवगत कराने के पश्चात भी स्कूल की मरम्मत नहीं की गई माध्यमिक शाला में लगभग छे

कमरे हैं प्रत्येक कमरे से बारिश आने पर पानी टपकता रहता है कई की छत की सीलिंग इतनी जर्जर है कि वह कभी भी गिर सकती है ऐसी स्थिति में क्या प्रशासन इस ओर ध्यान देगा या फिर टीचरों द्वारा लगाए गए आवेदन फाइलों में देबकर रह जायेंगे।जहां लगातार अनुविभागीय अधिकारी विजय डेहरिया ऐसे जर्जर भवनों का निरीक्षण करेंगे और शासन प्रशासन को वह अवगत करा कर उनकी मरम्मत करने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।विशेष रूप से बी आर सी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, बी ए सी, सी ए सी, एवं इंजीनियर ऑफिस से बाहर निकाल कर स्कूलों का निरीक्षण कर शासन को अवगत कारण ताकि भविष्य में कोई घटना दुर्घटना ना हो।

संत बनने के लिए कपड़े बदलने की आवश्यकता नहीं कलेजा बदलना होगा: साध्वी सविता देवी जी

बीना/सागर।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रीमद् भागवत कथा 4 जुलाई से 10 जुलाई गुरु पूर्णिमा पर संपन्न होगी यह कथा प्रभु श्रीमद् धाम कॉलेज तिराहा



सिटी पावर हाउस के पास वीर सावरकर वार्ड में आयोजित होगी कथा आयोजन से पूर्व साध्वी मां सविता देवी के द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। उन्होंने बताया हमारा जीवन हमारी मृत्यु कैसी होनी चाहिए यह भागवत कथा हमें संदेश देती है हमारी मृत्यु कब हो जाए यह पता नहीं जिस तरह से अजरार के मुंह में एक पशु बैठ रहता है जब मुंह बंद होता है तो वह समाप्त हो जाता इसी तरह हमारा जीवन है कब समाप्त हो जाएगा यह हमें पता नहीं हमारी मृत्यु मंगलमय हो यह हमें

भागवत कथा के माध्यम से ही ज्ञात होता है सनातन धर्म का जो नियम है उसका पालन करना चाहिए हम हिंदू कहलवाना चाहते हैं किंतु उसका पालन करना जरूरी है सिटी पावर हाउस के पास वीर सावरकर वार्ड में आयोजित होगी कथा आयोजन से पूर्व साध्वी मां सविता देवी के द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। उन्होंने बताया हमारा जीवन हमारी मृत्यु कैसी होनी चाहिए यह भागवत कथा हमें संदेश देती है हमारी मृत्यु कब हो जाए यह पता नहीं जिस तरह से अजरार के मुंह में एक पशु बैठ रहता है जब मुंह बंद होता है तो वह समाप्त हो जाता इसी तरह हमारा जीवन है कब समाप्त हो जाएगा यह हमें पता नहीं हमारी मृत्यु मंगलमय हो यह हमें

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक दुखद खबर आई है। यहां कुत्ते के बचाने से एक कबड्डी खिलाड़ी बृजेश की मौत हो गयी है। इस खिलाड़ी ने हाल ही में एक कुत्ते को बचाया था। उसी दौरान उसे कुत्ते ने अंगली में काट लिया था जिसपर इस खिलाड़ी ने ध्यान नहीं दिया। ऐसे में रेबीज वायरस से इसकी मौत हो गयी है। इस खिलाड़ी ने एंटी-रेबीज वैक्सिन नहीं लगवाई थी और यही गलती उसकी मौत का कारण बनी। इसका एक वीडियो भी वीडियो अब सोशल मीडिया पर आया है। बृजेश राज्य चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता थे और प्रो कबड्डी लीग में भाग लेने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच मार्च में फराना गांव में एक कुत्ते का पिछल नाली में गिर गया था जिसे बचाने के दौरान ही उन्हें उसने काट लिया था जिसपर बृजेश ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद बृजेश का दायां हाथ सुन होने लगा और इसके बाद पूरा शरीर भी सुन पड़ गया। परजिन उन्हें अस्पताल ले गए पर कोई लाभ नहीं हुआ।



बर्मिंघम। भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी कप्तानी संभालने के बाद एकदम से बदली नजर आ रही है। जिस प्रकार उन्होंने अब तक दोनो ही मैचों में शतक लगाये हैं उससे सभी हैरान हैं। एजबेस्टन टेस्ट में शतक पूरा करने के बाद शुभमन ने जिस अंदाज में जश्न मनाया उससे उनमें विराट कोहली की झलक दिखी। उन्होंने हेल्मेट हवा में उड़ाया, भीड़ की ओर झुककर अभिवादन किया, बल्ले को घूमा और जोरदार गर्जना की। कुछ लोगों को इससे देखकर विराट की भी याद आ गई। विराट ने इसी मैदान पर कप्तान के तौर पर साल 2018 के दौर में शानदार शतक लगाया था। उसके बाद विराट ने इस आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। वैसे ही कुछ शुभमन ने भी किया। शुभमन की सफलता भारतीय क्रिकेट के लिए भी एक नई उम्मीद बनकर उभरी है।

शुभमन ने नंबर-4 पर आकर उस समय पारी को संभाला, जब भारत ने शुरुआत में ही विकेट खो दिये थे और टीम दबाव में थी। वह अब उन बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं।

विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

बने। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 13 रनों से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। यशस्वी ने 87 रन बनाए। भारतीय पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करते हुए केएल राहुल 2 रन ही बना पाये। वहीं आदर साहू बाद वापसी कर रहे करुण नाथरूषी 31 रन ही बना पाये। करुण ने अच्छी शुरुआत की पर वह लंबी पारी नहीं खेल पाये। भारतीय टीम ने इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को शामिल नहीं किया। इसके अलावा बल्लेबाज वहीं साइ सुदर्शन की जगह वांशिगनंद सुंदर और शार्दूल ठाकुर की जगह नीतिश कुमार रेड्डी को अवसर दिया। बुमराह की जाह पर तेज गेंदबाज आकाश दीप को शामिल किया गया।

- ✓ राहुल द्रविड़ - 40 परियां
(न्यूजीलैंड, हैमिल्टन, 1999)
- ✓ वीरेंद्र सहवाग 40 परियां
(ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई, 2001)
- ✓ विजय जेकारे- 43 परियां
(वेस्टइंडीज, पोर्ट ऑफ स्पेन, 1953)
- ✓ गौतम गंभीर - 43 परियां
(न्यूजीलैंड, नेपियर, 2009)
- ✓ सुनील गावस्कर- 44 परियां
(वेस्टइंडीज, पोर्ट ऑफ स्पेन, 1976)

शुक्रवार को चेर्पोक सुपर गिलीज से होगा। इसमें विजेता टीम फानल में पहुंचेगी।

एलमिनेटर मुकाबले में अश्विन ने टॉस जीतकर त्रिचि गैंड चोलाज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अश्विन ने तीन विकेट लेकर उसे करारा झटका दिया। बाद में 141 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अरुनन की डंडीयुल ड्रैगन्स ने तेजी से रन बनाये। अश्विन ने शिवम सिंह के साथ पहले 5 ओवरों में ही 50 रन बना दिये। शिवम 5वें ओवर में आउट हो गए पर अश्विन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए त्रिचि के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

